दैनिक
अहिंसयवर्ण तमसः परस्तात्
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर
3 राजधानी – सीएम शिवराज से बिना मास्क लगाए ...
4 अभिव्यक्ति – बीजेपी मंत्री ने अपनी ही सरकार के...
6 मनोरंजन/खेल – ट्विटर छोड़कर खुश हैं सोनाक्षी...
7 व्यापार – एक साल में 100 रु. महँगा हुआ सब्सिडी...

www.navpradesh.com
भोपाल, सोमवार 27 जुलाई 2020, श्रावण शुक्ल पक्ष-सप्तमी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-04 अंक-92 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए
डाक पंजीयन संख्या -म प्र /भोपाल /4-468/2018-20
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

कोरोना ने चाहे जितना भी कहर ढाया हो लेकिन यह अभिशाप के साथ ही कई मामलों में वरदान भी बना है। भारत में जल, वायु और ध्वनि प्रदूषण के स्तर में सुधार हुआ है। कोरोना के कारण लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति इतने सजग हुए हैं कि अन्य बीमारियां तो मानों गायब सी हो गई हैं। समाज को कोरोना ने सुधार कर रख दिया है। जो काम अच्छे-अच्छे समाज सुधारक नहीं कर पाए वो काम कोरोना ने कर दिखाया है। सबसे बड़ी बात कोरोना ने हमें विषम परिस्थितियों से जूझना और बीमारी के साथ जीना सिखा दिया है।

कोविड के प्रति जागरूकता के लिये स्वयंसेवी संगठनों को भी जोड़ा जाये

कोविड गाइड लाइन्स का पूर्णतः पालन हो

मुख्यमंत्री चौहान ने अस्पताल से वीसी के माध्यम से की कोरोना की समीक्षा

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना से बचाव के उपायों को अपनाने की जागरूकता के लिये स्वयंसेवी संगठनों और संस्थाओं को जोड़ें। इसके लिये आउट लाइन बनाये और शीघ्र ही उसका इम्पलीमेंटेशन भी करें। समाज के सहयोग से अभियान चलाकर कोरोना के प्रति जागरूकता लायी जा सकती है। इसके लिये अकेला सरकारी तंत्र काफी नहीं है। समाज के विभिन्न वर्गों के व्यक्तियों को इस अभियान से जोड़ा जाए, जिससे लोग इसकी गंभीरता को समझते हुए जगह-जगह संवाद कर शेष पृष्ठ 7 पर

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि उनके संपर्क में आए मंत्री, विधायक और अधिकारी सहित अन्य सभी अपनी टेस्टिंग करवा लें। उन्होंने कहा कि उन्हें सभी की चिंता है। उनकी वजह से किसी को परेशानी नहीं हो। टेस्टिंग करवाकर सभी सुरक्षा उपाय अपनाएं, ताकि हम निश्चित हो जाएं। बताया गया कि उनके संपर्क में आये सभी व्यक्तियों को आइसोलेशन और होम क्वारंटाईन होने की समझाइश दी गई है। वीडियो कांफ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कर्मचारियों की वेतनवृद्धि और मेधावी विद्यार्थियों को लेपटॉप वितरण के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

रविवार को फिर 199 कोरोना पॉजिटिव मिले, एमएलए रेस्ट हाउस में भी 2 संक्रमित

भोपाल में कोरोना का प्रकोप

तीसरी बार राजधानी में एक दिन में सबसे ज्यादा केस आए

लॉकडाउन में अब दिव्यांग कर्मचारियों को सिर्फ ज्यादा जरूरत में भी कार्यालय बुलाए जाने के आदेश

हॉटस्पॉट जहांगीराबाद में 9 को संक्रमण की पुष्टि, तहसील कार्यालय बैरसिया में 6 संक्रमित मिले

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। राजधानी में कोरोना संक्रमण का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। अब एक दिन में तीसरी बार रिकॉर्ड मरीज सामने आए। सबसे ज्यादा 221 और 215 के बाद अब रविवार को 199 संदिग्धों में कोरोना की पुष्टि हुई। इसके बाद भोपाल में मरीजों की संख्या 5543 हो गई। शहर में शुक्रवार को शाम 8 बजे से 10 दिन का टोटल लॉकडाउन लग चुका है। ऐसे में सिर्फ जरूरत पर ही घर से निकल सकते शेष पृष्ठ 7 पर

दिव्यांगों को अब ऑफिस जाने की जरूरत नहीं

इधर, आयुक्त निःशक्तजन मध्यप्रदेश संदीप रजक ने एक आदेश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि कोविड को एक महामारी घोषित किया जा चुका है। ऐसे में कोरोना से दिव्यांगों का इससे संक्रमित होने का खतरा ज्यादा है। इसे देखते हुए दिव्यांग कर्मचारियों को ऑफिस आने से छूट दी जाए। बहुत ज्यादा जरूरत पर ही उन्हें बुलाया जाए।

चिरायु अस्पताल के मालिक का परिवार तक संक्रमित

लॉकडाउन के पहले दिन बड़ी संख्या में पॉजिटिव मरीज मिले। शनिवार को तो राज्य कोविड-19 सेंटर चिरायु अस्पताल के निदेशक अजय गोयनका के परिवार के चार सदस्य भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए। इधर, अस्पताल में भर्ती मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वास्थ्य की जानकारी ट्वीट कर दी। उन्होंने कहा कि मैं पूरी तरह ठीक हूं और आप लोग भी दो गज की दूरी बनाए रखें और लगातार हाथ धोते रहें।

शहर में कोरोना संक्रमितों की स्थिति

हॉट स्पॉट जहांगीराबाद क्षेत्र से 9 लोग संक्रमित हुए हैं, तो एमएलए रेस्ट हाउस से 2 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। एम्स से एक मेडिकल छात्र और जीएमसी की एक महिला डॉक्टर भी पॉजिटिव हो गई है। तहसील कार्यालय बैरसिया से 6 लोग और एचआईजी डुप्लेक्स कॉम्प्लेक्स कटारा हिल्स से 6 लोग संक्रमित हैं। इब्राहिमगंज, चार इमली, 25वीं बटालियन, अरेरा कॉलोनी, शाहजहानाबाद, अवधपुरी समेत कई क्षेत्रों से मिले संक्रमित ।

करगिल विजय दिवस पर राजनाथ ने शहीदों को किया सलाम

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को करगिल विजय दिवस की 21वीं वर्षगांठ पर पाकिस्तानी सेना को परास्त कर देश के लिये शहीद होने वाले सेना के जवानों को रविवार को सलाम किया। उन्होंने वार मेमोरियल पहुंचकर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके पहले उन्होंने ट्वीट भी किया। लिखा- 'करगिल विजय दिवस की 21वीं वर्षगांठ पर मैं कठिनतम परिस्थितियों में देश के लिए लड़ने वाले वीर जवानों को सलाम करता हूं।'

मन की बात में पीएम मोदी ने कोरोना से बचाव के उपायों को अपनाने का किया आह्वान

मास्क उतारने का मन करे तो कोरोना वॉरियर्स को याद करें

कहा-जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत तभी इसे हटा देते हैं लोग

नई दिल्ली/ए.। मन की बात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से कोरोना से बचाव के उपायों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने मास्क का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि जो लोग मास्क पहनकर थक जाते हैं वो जरा उन कोरोना वॉरियर्स के बारे में सोचें जो 10-10 घंटे तक मास्क लगाकर रहते हैं। मोदी ने कोरोना का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की स्थिति बाकी कई देशों से बेहतर सही लेकिन संकट अभी टला ह शेष पृष्ठ 7 पर

खतरा अभी टला नहीं

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को मन की बात करते हुए कहा कि कोरोना का खतरा अभी टला नहीं है। हमें बहुत ही ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। चेहरे पर मास्क लगाना या गमछे का उपयोग करना, दो गज की दूरी, लगातार हाथ धोना, कहीं पर भी थूकना नहीं, साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखना, यही हमारे हथियार हैं जो हमें कोरोना से बचा सकते हैं।

अच्छी खबर

अब आईआईटी के छात्र करेंगे आदिवासियों का कौशल विकास

नई दिल्ली/(वार्ता)। अब आईआईटी के छात्र आदिवासियों को कौशल प्रशिक्षण देंगे। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान ने देश में आदिवासियों को कौशल युक्त बनाने के लिए ट्राईफेड के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किया है। इस करार से अब तक ट्राईफेड के साथ 26 सौ से अधिक संस्थान आदिवासियों की आजीविका के उत्थान कार्य में जुड़ गए हैं। यह करार मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उन्नत भारत अभियान के तहत किया गया है जिसके अंतर्गत आईआईटी के छात्र ओर शिक्षक, आदिवासियों को आजीविका के साधन जुटाने के वास्ते उन्हें कौशल का प्रशिक्षण देंगे और नवाचार सिखाएंगे। साथ ही प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के बारे में उन्हें बताएंगे।हमारी संस्था विभिन्न मंत्रालयों के साथ समन्वय कर आदिवासियों की आजीविका के साधन और आय को बढ़ाने के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित करती आ रही है । आईआईटी के निदेशक राजगोपाल रावण ने कहा कि आईआईटी देश की समस्याओं को सुलझाने के लिए छात्रों और शिक्षकों के माध्यम से काम कर रहा है , चाहे यह समस्या स्वास्थ्य या औद्योग के क्षेत्र में हो या गांव के क्षेत्र में हो । हम इस कार्यक्रम को उन्नत भारत अभियान के तहत चला रहे हैं ।

कोरोना अपडेट

देश	टोटल केस	मौत
भारत	14,22,000	32,626
अमेरिका	4,327,673	149,490
ब्राजील	2,396,434	86,496
ब्रिटेन	298,681	45,738
मैक्सिको	385,036	43,374
इटली	245,864	35,102
फ्रांस	180,528	30,192
स्पेन	319,501	28,432
ईरान	291,172	15,700
रूस	812,485	13,269

पूर्व मंत्री पीसी शर्मा का ट्वीट-

राज्य के राज्यपाल का कोरोना महामारी के चलते दुखद निधन, उस राज्य के गृहमंत्री इतना गैर जिम्मेदार कैसे

पीसी शर्मा का दावा- राज्यपाल की पहली रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी

उन्होंने कहा- मैं इसे मुहैया करा सकता हूं

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। कमलनाथ सरकार में विधि मंत्री रहे पीसी शर्मा ने रविवार को एक ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने कहा है कि %जिस राज्य के राज्यपाल का कोरोना महामारी के चलते दुखद निधन हो गया हो, जिस राज्य का मुखिया मुख्यमंत्री कोरोना महामारी के कारण अस्पताल में भर्ती हो, उस राज्य का गृहमंत्री इतना गैरजिम्मेदार कैसे हो सकता है। न मुंह पर मास्क है, न सोशल डिस्टेंसिंग। जब पीसी शर्मा से उनके ट्वीट के बारे में बात की गई तो उन्होंने कहा हां हुई है तो है लेकिन उन्होंने ट्वीट में कोरोना काल कहा है, देखते हैं ये कैसे हुआ है।

टंडन की पहली रिपोर्ट पॉजिटिव होने का दावा

पीसी शर्मा ने कहा कि राज्यपाल लालजी टंडन की पहली रिपोर्ट तो पॉजिटिव ही आई थी। जो इन लोगों ने दबा दी। मैं इस रिपोर्ट को आपको मुहैया करा दूंगा शेष पृष्ठ 7 पर

लोकतंत्र भाजपा के छल कपट से नहीं चलेगाः राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर छल कपट की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि देश का लोकतंत्र संविधान के दायरे में चलेगा और भाजपा इस संबंध में अपने षड्यंत्र में कामयाब नहीं होगी। राजस्थान में राजनीतिक संकट का उल्लेख किए बिना गांधी ने परोक्ष रूप से इस मामले पर ट्वीट किया, 'भारत का लोकतंत्र संविधान के आधार पर जनता की आवाज़ से चलेगा। भाजपा के छल-कपट के षड्यंत्र को नकारकर देश की जनता लोकतंत्र और संविधान की रक्षा करेगी।' इस बीच कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि राज्यपाल संविधान का रखवाला होता है और केंद्र सरकार तथा न्यायालय उन्हें संविधान के दायरे में काम करने के लिए पूछ सकता है और राज्य में संविधान के पालन को लेकर भी उनसे जानकारी ले सकते है।

राजस्थान मामले को लेकर किया परोक्ष हमला

गंगा नदी का नाम बदलने की तैयारी, विरोध में उतरे पुरोहित

हरिद्वार/ए.। उत्तराखंड सरकार द्वारा हरकी पैड़ी पर गंगा नदी का नाम बदलकर इस 'देवधारा' घोषित करने की योजना है। मीडिया रिपोर्ट में यह बात सामने आई है।इसके मुताबिक सरकार ने ऐलान किया है कि हर की पैड़ी पर गंगा नदी का नाम देवधारा होगा। लेकिन सरकार के इस प्रस्ताव का तीर्थ पुरोहितों ने विरोध शुरू कर दिया है। पुरोहितों का कहना है कि गंगा नदी के नाम को गंगा ही रहने दिया जाए। तीर्थ पुरोहितों की महासभा ने चेतावनी दी है कि गंगा के नाम के साथ छेड़छाड़ करने पर राष्ट्रव्यापी आंदोलन किया जाएगा। अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री श्रीकांत वशिष्ठ ने कहा कि उत्तराखंड शेष पृष्ठ 7 पर

नाम को लेकर ये कहा कैबिनेट मंत्री ने

इस मांग पत्र को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री त्रिवेंद सिंह रावत से मई 2018 में मुलाकात की थी। मांग की थी कि उत्त शासनादेश शीघ्र अति शीघ्र निरस्त किया जाए। उन्होंने बताया कि बीते शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें तय किया गया कि वर्ष 2016 का शासनादेश पलटा जाएगा और हर की पैड़ी पर प्रवाहित हो रही मां गंगा के नाम को बदलकर देवधारा किया जाएगा।

तैयारी
ऑक्सफोर्ड वैक्सीन बनाने में सहयोगी भारतीय कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने किया आवेदन

कोरोना वैक्सीन के तीसरे फेज के ट्रायल के लिए मांगी इजाजत

नई दिल्ली/ए.। कोविड-19 के लिए ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा बनाए जा रहे टीके के उत्पादन के लिहाज से आस्ट्राजेनेका के साथ साझेदारी करने वाले सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने टीके के इंसानों पर क्लीनिकल ट्रायल के तीसरे चरण के लिए भारत के औषध महानियंत्रक (डीसीजीआई) से अनुमति मांगी है। सूत्रों ने बताया कि पुणे स्थित दवा कंपनी एसआईआई ने शुक्रवार को डीसीजीआई को आवेदन दिया है और 'कोविडशील्ड' नामक टीके के परीक्षण के लिए अनुमति मांगी है। एक सूत्र ने कहा है कि आवेदन के मुताबिक, वह स्वस्थ भारतीय वयस्कों में 'कोविडशील्ड' की सुरक्षा और प्रतिरक्षा प्रणाली विकसित होने का पता लगाने के लिए बिना क्रम के (रैंडमाइज्ड) नियंत्रित अध्ययन करेगी शेष पृष्ठ 7 पर

ब्रिटेन में हो चुके पहले दो चरण के परीक्षण

सूत्र ने कहा कि ब्रिटेन में पांच परीक्षण स्थलों पर टीके के पहले दो चरण के परीक्षण के परिणाम दिखाते हैं कि इसका स्वीकार्य स्तर का सुरक्षा प्रोफाइल है। टीकों की डोज के उत्पादन और बिक्री के लिहाज से दुनिया की सबसे बड़ी टीका निर्माता कंपनी एसआईआई ने टीका लाने के लिए ब्रिटिश-स्वीडिश फार्मा कंपनी आस्ट्राजेनेका के साथ साझेदारी में जेनेर इंस्टीट्यूट शेष पृष्ठ 7 पर

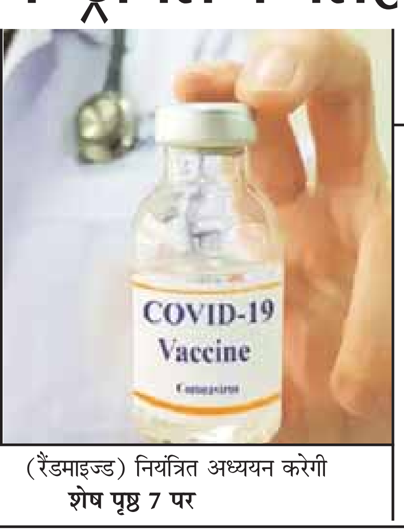

एक अरब टीकों के उत्पादन के लिए साझेदारी

आस्ट्राजेनेका के साथ साझेदारी के संबंध में एसआईआई के सीईओ अदार पूनावाला ने कहा था कि एसआईआई ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा विकसित किये जा रहे कोविड-19 के टीके की एक अरब खुराक के उत्पादन और आपूर्ति के लिए आस्ट्राजेनेका के साथ साझेदारी की है। उन्होंने कहा था कि ये टीके भारत और दुनिया के मध्यम तथा अल्प आय वाले देशों के लिए होंगे। कंपनी ने अगस्त में भारत में इंसानों पर दूसरे और तीसरे चरण का क्लीनिकल ट्रायल शुरू करने की योजना बनाई है।

विकास के मददगारों पर गिरने लगी गाज

कानपुर/ए.। विकास दुबे व उसके गुर्गों के खिलाफ कार्रवाई के बाद अब पुलिस ने उसके मददगारों पर कार्रवाई करनी शुरू कर दी है। उसे पहले के मामलों में जमानत दिलाने वाले राजाराम द्विवेदी के असलहा लाइसेंस को निरस्त करने की रिपोर्ट चौबेपुर पुलिस ने भेजी है। अब डीएम कोर्ट के जरिए उसके लाइसेंस को निरस्त कराने की तैयारी है। पुलिस ने उसकी विकास दुबे का जमानतगीर बताकर रिपोर्ट डीएम कोर्ट को भेजी है। अब डीएम कोर्ट उस पर नोटिस जारी करके कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है। शनिवार को छुट्टी होने के बावजूद चौबेपुर पुलिस ने असलहा विभाग को खुलवाकर विकास दुबे व उनके करीबियों के जारी असलहों की जानकारी ली गई।

जमानत दिलाने वालों के असलहा लाइसेंस निरस्त

वीरान सुप्रीम कोर्ट के अभी गुलजार होने के आसार नहीं

नयी दिल्ली। कोरोना महामारी के मद्देनजर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होने वाली सुनवाई के कारण वीरान पड़ी शीर्ष अदालत के फिलहाल गुलजार होने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं क्योंकि अदालत कक्ष में पारंपरिक तरीकों से मुकदमों की सुनवाई की संभावना तलाशने के लिए गठित समिति ने चिकित्सीय सलाह के मद्देनजर इसकी अनुमति देने से इनकार कर दिया है।

अदालत कक्ष में व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होकर पूर्व की भांति सुनवाई किए जाने के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा किए जाने और अंतिम निर्णय के लिए न्यायमूर्ति एन वी रमन की अध्यक्षता वाली सात सदस्यीय समिति ने फिलहाल कोरोना महामारी के कारण वर्चुअल सुनवाई जारी रखने का निर्णय लिया है।

विश्वस्त सूत्रों ने यूनीवार्ता को बताया कि समिति की बैठक 24 जुलाई को शाम साढ़े चार बजे हुई, जिसमें सदस्य न्यायाधीशों ने कोरोना संक्रमण के जोखिम को कम करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से ही शीर्ष अदालत में कामकाज जारी रखने का निर्णय लिया है। यह निर्णय चिकित्सकीय परामर्श के मद्देनजर और वकीलों, वादकारियों, रजिस्ट्री कर्मचारियों और न्यायाधीशों की सुरक्षा और कल्याण को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। समिति दो सप्ताह बाद फिर इस मसले पर विचार करेगी।

बैठक में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के अध्यक्ष दुष्यंत दवे, सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीएओआरए) के अध्यक्ष शिवाजी एम जाधव और बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा की भी राय ली गई। इन लोगो ने वकीलों की आर्थिक स्थिति के मद्देनजर पूर्व की भांति अदालत कक्ष में सुनवाई करने की वकालत की थी, लेकिन न्यायाधीशों ने व्यक्त किया कि वे वकीलों की कठिनाइयों के बारे में पूरी तरह से जागरूक और गहराई से चिंतित हैं और धीरे-धीरे शारीरिक रूप से कामकाज की सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए उत्सुक हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इस संबंध में निर्णय चिकित्सा सलाह के आधार पर स्थिति का समग्र मूल्यांकन करके लिया जाना है और वकीलों, न्यायाधीशों, वादियों और अदालत के कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को भी ध्यान में रखना है।

समिति ने आश्वासन दिया है कि शीर्ष अदालत में मामलों की पूर्व की भांति निजी तौर पर उपस्थित होकर होने वाली सुनवाई की क्रमिक बहाली और अदालत परिसर में सामान्य स्थिति की बहाली के लिए समय और तौर-तरीकों के संबंध में एससीबीए, एससीएओआरए और बीसीआई के इनपुट और सुझावों को विधिवत रूप से ध्यान में रखा जाएगा।

गहलोत सरकार ने विधानसभा सत्र बुलाने के लिए राज्यपाल को भेजा नया प्रस्ताव

फ्लोर टेस्ट का जिक्र नहीं

जयपुर ए.। राजस्थान में सियासी उठापटक का दौर लगातार जारी है। इस बीच अशोक गहलोत सरकार ने विधानसभा सत्र बुलाने को लेकर नया प्रस्ताव राज्यपाल कलराज मिश्र के पास भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक, इसमें 31 जुलाई से विधानसभा सत्र बुलाने की बात कही गई है। नए प्रस्ताव में फ्लोर टेस्ट का जिक्र नहीं किया गया है। इसमें कोरोना वायरस की स्थिति पर चर्चा की बात कही गई है। कोरोना के साथ-साथ दूसरे विधेयकों पर भी चर्चा का जिक्र किया गया है।

31 जुलाई से विधानसभा सत्र को लेकर सरकार ने भेजा प्रस्ताव

गहलोत मंत्रिमंडल ने शनिवार को राज्यपाल को भेजे जाने वाले संशोधित प्रस्ताव को मंजूरी दी, जिसके बाद रविवार को इसे राज्यपाल के पास भेज दिया गया। नए प्रस्ताव में कोरोना वायरस की स्थिति पर चर्चा की बात कही गई है। इसमें बहुमत परीक्षण की बात नहीं है। मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव में कहा है कि 31 जुलाई से विधानसभा का सत्र बुलाया जाए। इससे पहले विधानसभा सत्र की मांग को लेकर कांग्रेस विधायकों ने प्रदर्शन भी किया था। शुक्रवार को राजभवन के लॉन में कांग्रेस विधायकों ने धरना दिया था।

नए प्रस्ताव में कोरोना मुख्य एजेंडा

राजभवन में हुए इस प्रदर्शन को लेकर राज्यपाल कलराज मिश्र ने राज्य सरकार से छह बिंदुओं पर शुक्रवार को स्पष्टीकरण मांगा था। जिसके बाद शनिवार को सीएम आवास पर मंत्री परिषद की बैठक हुई, जिसमें उन बिंदुओं पर चर्चा की गई जो राज्यपाल ने पहले के प्रस्ताव को लेकर उठाए थे। इसके बाद संशोधित प्रस्ताव को मंजूर किया गया। विचार विमर्श के बाद सभी कानूनी प्रक्रियाओं और प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए संशोधित प्रस्ताव तैयार किया गया, जिसे कैबिनेट ने मंजूरी दी। अब सरकार की ओर ये प्रस्ताव राज्यपाल के पास भेजा गया है।

उद्धव ठाकरे की चुनौती- जिस किसी को उनकी सरकार गिरानी है, गिराकर दिखाए

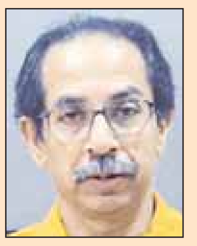

__मुंबई ए.।__ राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार के भविष्य को लेकर मचे घमासान के बीच महाराष्ट्र में गठबंधन सरकार चला रहे मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने चुनौती दी है कि जिस किसी को उनकी सरकार गिरानी है, गिराकर दिखाए। ठाकरे ने शिवसेना के मुखपत्र सामना को दिये साक्षात्कार में यह बात कही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ पिछली बार सरकार में शामिल शिवसेना ने इस बार कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी(राकांपा) के साथ सरकार बनाई है। शिवसेना प्रमुख ने सरकार गिराने की चुनौती देते हुए कहा ,' इंतजार किसका है? अब सरकार गिराओ, सरकार तीन पहियों वाली है, लेकिन वह गरीबों का वाहन है जिसकी स्टीयरिंग मेरे ही हाथ में है। बुलेट ट्रेन या रिक्शा में चुनाव करना पड़ा तो मैं रिक्शा ही चुनूंगा।' मध्यप्रदेश में कमलनाथ की कांग्रेस सरकार गिरने के बाद सचिन पायलट के बगावती तेवरों से राजस्थान में अशोक गहलोत की सरकार का भविष्य डांवाडोल हो रहा है। महाविकास अघाड़ी सरकार के मुखिया ठाकरे ने खुली चुनौती दी कि जिस किसी को भी महाराष्ट्र की सरकार गिरानी है, गिराकर दिखाए। उन्होंने कहा,' इंतजार किस बात का, कुछ लोग कहते हैं कि अगस्त-सितंबर में गिराएंगे। मैं कहता हूं कि अभी गिराओ। मैं फेविकोल लगाकर चिपककर नहीं बैठा हूं।' मीडिया में कांग्रेसी विधायकों के असंतोष की खबरें बीते दिनों कई बार आईं।

कांग्रेस के निशाने पर राज्यपाल

केंद्र के इशारे पर काम करने का लगाया आरोप

__जयपुर ए.।__ राजस्थान में जारी सियासी घमासान के बीच कांग्रेस पार्टी ने राज्यपाल कलराज मिश्र के रवैये पर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने राज्यपाल पर केंद्र के इशारे पर काम करने और पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने आरोप लगाया है। सिंघवी ने कहा कि राज्यपाल हमेशा राज्य सरकार की सहायता और सलाह से काम करते रहे हैं, लेकिन राजस्थान के राज्यपाल अपने 'मास्टर' की आवाज सुन रहे हैं, जो कि केंद्र सरकार से हैं। अभिषेक मनु सिंघवी ने रविवार को कहा, 'ये बेहद दिलचस्प है कि विधानसभा का सत्र बुलाए जाने से पहले राज्यपाल विधायकों की देखभाल, उनके स्वास्थ्य और आवागमन की बात कही है। ये अच्छी बात है। लेकिन क्या राज्यपाल सत्र शुरू करने की तारीख न देने के लिए ये प्रश्न उठा सकते हैं? क्या ये विधानसभा अध्यक्ष और सरकार का अधिकार क्षेत्र है?' सिंघवी ने कहा, 'जब संविधान लिखा जा रहा था, तो ये प्रस्तावित था कि विधानसभा का सत्र बुलाने के लिए राज्यपाल को बाध्य नहीं कर सकते। इसको स्पष्ट तौर पर नकारा गया और कहा गया कि राज्यपाल के लिए कैबिनेट की सलाह बाध्य है।' अभिषेक मनु सिंघवी ने पीएम मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'क्या प्रधानमंत्री अपना मौन व्रत तोड़कर राज्यपाल को राजधर्म निभाने के लिए नहीं पूछना चाहते?

उइगर महिलाओं के पीरियड्स पर नजर

जबरन अबॉर्शन, आबादी कम करने की क्रूरता पर उतरा चीन

पेइचिंग/इस्तांबुल ए.। चीन के शिनजियांग प्रांत में उइगर मुस्लिमों के खिलाफ देश की कम्युनिस्ट पार्टी के अत्याचारों की कहानियां हर रोज सामने आ रही हैं। चीन पर आरोप है कि वह इस समुदाय की आबादी को कम करना चाहता है और उनकी संस्कृति को बदलना चाहता है। आबादी पर नियंत्रण के लिए जो खौफनाक तरीके यहां अपनाए जा रहे हैं, एक ताजा रिपोर्ट में उसे जानकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

चीन से जान बचाकर इस्तांबुल पहुंचीं महिलाओं पर डेलीमेल के लिए ईयन बेरिल ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि चीन में उइगर मुस्लिम महिलाएं अगर गर्भवती पाई जाती हैं तो उन्हें जबरदस्ती अबॉर्शन कराना पड़ता है। उन्हें और बच्चों की इजाजत नहीं होती। उन्हें दो बच्चों की इजाजत है और इससे ज्यादा बच्चे होने पर उन्हें माता-पिता छिपाकर रखते हैं। ऐसे हालात से बचने के लिए लोग पलायन करने लगते हैं।

पति को 15 साल की जेल

आमिना ममतिमिन बताती हैं कि जब वह 5वीं बार गर्भवती हुई तो उन्होंने बच्चे के जन्म के लिए देश छोड़ने का फैसला कर लिया। जब उन्होंने पासपोर्ट का आवेदन किया तो सिर्फ उनका और उनकी सबसे छोटी बेटी का पासपोर्ट ही एक्सेप्ट हुआ। वह अपने अजन्मे बच्चे को बचाने के लिए इस उम्मीद में देश छोड़कर तुर्की चली गई कि बाकी परिवार बाद में आ जाएगा लेकिन चीनी अधिकारियों ने उनके पति को 15 साल के लिए जेल में डाल दिया।

उइगर आबादी कंट्रोल करने की कोशिश

नर्स ने बताया कि ऐसा सिर्फउइगर महिलाओं के साथ किया जाता था, चीनी महिलाओं के साथ नहीं। पहले देश में एक बच्चे की नीति थी लेकिन जब यह नीति खत्म हो गई उसके बाद भी उइगरों के खिलाफअत्याचार जारी रहे। ईयन ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि कई परिवार बच्चों को बचाने के लिए रिश्वत देने को मजबूर थे कई घर छोड़कर भागने को। एक डॉक्टर ने बताया कि कई बार वह बच्चों की रिपोर्ट में लिख देती थीं कि वह बोल-सुन नहीं सकता। इससे परिवार को दूसरा बच्चा करने की इजाजत मिलती है।

पीरियड्स पर नजर, जबरन अर्बाशन, भ्रूण हत्या भी

इसके बाद उनके पति उन डिटेंशन सेंटर्स में गायब हो गए जिसे चीन वोकेशनल एजुकेशन सेंटर बताता है। आमिना को न यह पता है कि उनके पति कहां हैं और न ही बाकी तीनों बच्चों के बारे में। ईयन ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है, 'अस्पताल में उइगर महिलाओं से बच्चों की सफल डिलिवरी के बाद स्टेरलाइजेशन कराने के लिए पेपर साइन कराए जाते हैं।' यहां तक कि अधिकारी महिलाओं के पीरियड्स पर भी नजर रखते हैं ताकि गर्भ का पता चल सके। एक अन्य महिला ने बताया कि उनकी भाभी की दूसरी डिलिवरी से पहले डॉक्टर उनके घर आए और चेक अप के बहाने अस्पताल ले गए। वहां जाकर बताया कि बच्चे की गर्भ में मौत हो चुकी थी इसलिए अबॉर्शन कर दिया। इसके बाद जब वह फिर गर्भवती हुईं और अधिकारियों के पता चला तो पति को 4 साल की जेल हो गई। इन अस्पतालों में से एक में काम करने वाली नर्स ने ईयन को बताया है कि उन्होंने जबरन कराए जाने वाले कम से कम 90 अबॉर्शन देखे।

पीपी 14, 15 और 17 से पीछे हटी चीनी सेना

नई दिल्ली ए.। पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन के बीच कई दिनों से जारी सीमा विवाद पर कुछ नरमी के संकेत मिलने लगे हैं। दोनों देशों में चल रही बातचीत की वजह से पेट्रोलिंग प्वाइंट 14, 15 और 17 से चीनी सेना ने अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। यह दोनों देशों के बीच डिसएंगेजमेंट प्रक्रिया पर सहमति के तहत हुआ है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से जानकारी दी है कि आने वाले दिनों में पैंगोंग सो झील के इलाके को लेकर भारत-चीन के वरिष्ठ सैन्य कमांडरों के बीच बैठक हो सकती है। इस बैठक में दोनों पक्षों के बीच सैनिकों को पीछे हटने की प्रक्रिया पर आगे की बातचीत होगी। एएनआई के अनुसार, 'सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर भारत और चीन के बीच जारी बातचीत के परिणामस्वरूप सेनाएं पेट्रोलिंग प्वाइंट 14, 15 और 17 पर पूरी तरह पीछे हट गई हैं।' इससे पहले केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा था कि दोनों पक्ष पिछले दिनों बैठकों में बनी आपसी सहमति को गंभीरता से लागू करने के लिए सहमत हो गए हैं। विदेश मंत्रालय ने चीन के साथ सीमा वार्ता पर कहा, 'दोनों पक्ष इसपर सहमत हुए हैं कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैनिकों की जल्दी और पूरी तरह से वापसी संबंधों की बेहतरी के लिए महत्वपूर्ण है।

सशस्त्र बलों का सदैव ऋणी रहेगा देश : नड्डा

नयी दिल्ली ए.। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने रविवार को कहा कि करगिल युद्ध में विषम परिस्थितियों के बावजूद सशस्त्र बलों ने अपनी रणनीति और पराक्रम के कौशल से पाकिस्तान को परास्त किया था।'करगिल विजय दिवस' के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि सीमाओं की सुरक्षा के लिए सशस्त्र बलों ने जो कुर्बानियां दी हैं, देश उसे हमेशा याद रखेगा।ज्ञात हो कि भारतीय सैनिकों के करगिल की चोटियों से पाकिस्तानी सैनिकों को खदेड़ने के बाद 26 जुलाई 1999 को करगिल युद्ध को समाप्त घोषित किया गया था। भारत की जीत का जश्न मनाने के लिए इस दिन को 'करगिल विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है।सशस्त्र बलों के कल्याण के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा रक्षा क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया है।उन्होंने बताया कि मोदी सरकार ने ''वन रैंक, वन पेंशन'' योजना को क्रियान्वित किया

और 33 हजार करोड़ रूपये देकर कमियों को पूरा किया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि विभिन्न सीमाओं पर 72 परियोजनाएं पूरी होने की कगार हैं जबकि संप्रग के शासनकाल में इस परियोजनाओं पर कुछ काम नहीं हुआ।नड्डा ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने करगिल युद्ध के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर भी लड़ाई लड़ी और यह स्पष्ट कर दिया था कि भारत तब तक युद्धविराम नहीं करेगा जब तक पाकिस्तान को हराकर अपनी सीमाओं को सुरक्षित नहीं कर लेता।

चीन के साथ सीमा पर चल रहे गतिरोध

दक्षिण चीन सागर में चीन का लाइव फायर ड्रिल, जहाजों पर हमले का अभ्यास

बीजिंग ए.। दक्षिण चीन सागर को लेकर अमेरिका से बढ़ते टेंशन के बीच चीन की पीपल्स लिब्रेशन आर्मी ने दक्षिणी गुआनडोंग प्रांत के लिझोऊ पेनिनसुला में लाइव फायर ड्रिल की शुरुआत की है। यह दक्षिण चीन सागर (स्प्रट्स) का दहलीज कहा जाता है। चीन की आधिकारिक मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी है। एक सप्ताह तक चलने वाले इस ड्रिल में एंटीशिप और एंटी एयरक्राफ्ट अभ्यास किया जाएगा। इसमें पीएलए की वायुसेना और पीएलए की नेवी और रॉकेट फोर्स शामिल है। यह अभ्यास ऐसे समय में हो रहा है जब चीन का कई मुद्दों को लेकर अमेरिका से तनाव काफी बढ़ चुका है। दक्षिण चीन सागर और वॉशिंगटन द्वारा ताइवान को हथियार बेचे जाने को लेकर भी

तनातनी है। पिछले सप्ताह, पहली बार वॉशिंगटन ने दक्षिण चीन सागर में चीन के दावे को खारिज कर दिया है, जिसके बड़े हिस्से पर वियतनाम, फिलिपींस, मलेशिया, ब्रूनेई और ताइवान की ओर से दावा किया जाता है। इस ड्रिल से चीन अमेरिका को संदेश देना चाहता है, जिसने इस महीने अग्रिम पंक्ति के दो विमानवाहक पोतों को तैनात कर दिया। इसके साथ कई युद्धपोत भी हैं। इसके अलावा क्षेत्र में कई टोही विमान उड़ रहे हैं। हालांकि, पीएलए ने युद्धाभ्यास का विस्तृत ब्योरा नहीं दिया है। चाइनीज मिलिट्री एक्सपर्ट सोंग झोंगपिंग ने चीनी सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स को बताया कि एयरफोर्स के लाइव-फायर ड्रिल में आमतौर पर एयरक्राफ्ट और सतह के जहाजों को निशाना बनाने का अभ्यास किया जाता है। सोंग

बीजिंग की संपत्ति नहीं है दक्षिण चीन सागर : पाम्पियो

__वॉशिंगटन ए.।__ दक्षिण चीन सागर पर चीन के दावे को खारिज करते हुए अमेरिका ने दो टूक कहा है कि यह बीजिंग की संपत्ति नहीं है। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पॉम्पिओ ने शनिवार को चीन पर करारा वार किया और कहा कि यदि चीन अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करता रहा और स्वतंत्र देशों ने कुछ नहीं किया तो वह और क्षेत्र पर कब्जा कर लेगा। दक्षिण चीन सागर को लेकर कई देशों से भिड़ता आ रहा ड्रैगन अमेरिका के इस आक्रामक तेवर से और बेचैन हो सकता है। माइक पॉम्पिओ ने कहा अमेरिका की नीति शीशे की तरह साफहै।

रूस की 'स्टार वॉर' मिसाइल से डरा ब्रिटेन, कहीं ठप न कर दे जीपीएस

लंदन ए.। ब्रिटेन में सरकारी अधिकारियों को डर है कि रूस कहीं ब्रिटेन पर स्पेस से हमला न कर दे। दरअसल, रूस ने एक ऐंटी-सैटालाइट हथियार लॉन्च किया है। इसके बाद कॉमन डिफेंस कमिटी के चेयरमैन टोबियस एलवुड ने चेतावनी दी है कि अगर रूस को स्पेस में हथियार बनाने की इजाजत मिलती है तो जीपीएस सिस्टम्स को खतरा हो सकता है। अमेरिकी सेना के स?पेस कमान ने बताया था कि अंतरिक्ष में चक?कर लगा रहे रूस के सैटलाइट कॉसमॉस 2542 पर 15 जुलाई को उसके अपने ही सैटलाइट कॉसमॉस 2543 ने मिसाइल हमला किया है।

एलवुड ने सरकार से ऐसे खतरे से बचाने के लिए कदम उठाने की अपील की

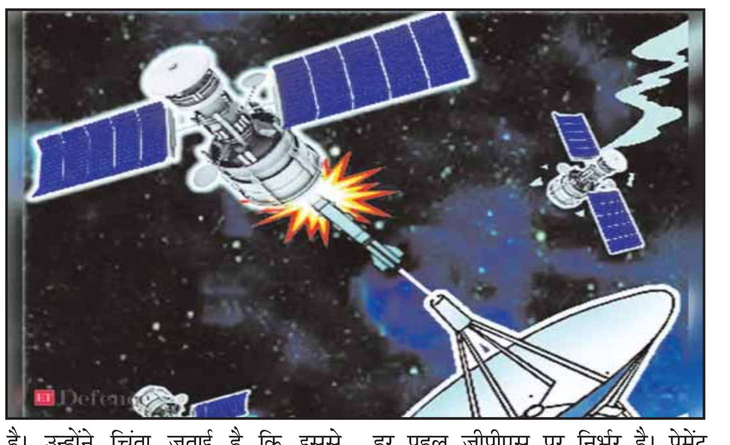

है। उन्होंने चिंता जताई है कि इससे कम्यूनिकेशन और नैविगेशन सिस्टम्स हमले का शिकार हो सकते हैं। एलवुड ने टेलिग्राफ से बताया है, 'हमारी जिंदगी का हर पहलू जीपीएस पर निर्भर है। पेमेंट सिस्टम, कृषि, मशीनरी, मॉडर्न इंडस्ट्रीज और डिफेंस। जीपीएस में नुकसान से नैविगेशन ठप हो जाएगा।' चिंता जताई जा रही है कि इस हथियार से पश्चिमी सैटलाइट्स को नुकसान हो सकता है।

सरकार उठाए कदम

एलवुड ने सरकार से सिक्यॉरिटी, डिफेंस, डिवेलपमेंट और पॉलिसी को जल्द रिव्यू करना चाहिए। इस रिव्यू में राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति की रणनीति पर चर्चा होनी है। उधर, रूस के विदेश मंत्रालय ने अटकलों पर विराम लगाने की कोशिश की है कि इस लॉन्च से पश्चिम को डरना चाहिए। यहां तक कि रूस ने इस बात का आरोप भी लगाया है कि अमेरिका एक शांतिपूर्ण स्पेस कैंपेन के खिलाफअभियान चला रहा है। अमेरिकी खुफिया विशेषज्ञ रूस के जोड़े उपग्रह कॉसमॉस 2542 और 2543 पर कई महीने से नजर बनाए हुए हैं। वह तब से नजर बनाए हुए हैं जब यह केवल एक उपग्रह था और इसे सोयूज रॉकेट की मदद से 26 नवंबर 2019 को अंतरिक्ष में छोड़ा गया था। सैटलाइट लॉन्च होने के 11 दिन बाद दो भागों में बंट गया और एक नए सैटलाइट को जन्म दिया।

सैटलाइट के लिए खतरा

वहीं, 15 जुलाई को रूस के अंतरिक्ष में जन्म लेने वाले वाले उपग्रह कॉसमॉस 2543 ने अंतरिक्ष के बाहरी इलाके में एक मिसाइल से हमला किया। उन्होंने कहा कि इससे अमेरिका और उसके सहयोगियों के अंतरिक्ष में मौजूद उपग्रहों के लिए खतरा उत्पन्न हो गया है। ऐसा पहली बार है जब अमेरिकी सेना ने रूस पर अंतरिक्ष में एंटी सैटलाइट वेपन के परीक्षण का आरोप लगाया है।

उत्तर प्रदेश : 2 लाख की सुपारी देकर बेटे की करा डाली हत्या!

हापुड़ ए.। उत्तर प्रदेश के हापुड़ से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। आरोप है कि यहां अपने बेटे के हिंसक व्यवहार और हाई प्रोफाइल लाइफस्टाइल से परेशान होकर पिता ने उसका कत्ल करवा दिया। आरोप है कि पिता ने दो लाख की सुपारी देकर अपने बेटे की हत्या करा दी। पुलिस ने मर्डर के सिलसिले में दो कॉन्ट्रैक्ट किलर को गिरफ्तार किया है। हापुड़ के सिंभौली इलाके में बुधवार की सुबह ऋषभ तोमर अपने कार में मृत पाया गया। उसके गले पर रेतने के निशान मिले। इस मामले को सुलझाने में पुलिस को महज दो दिन लगे। मृत लड़के के पिता कमल चंद तोमर और भाड़े पर लिए गए दो अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस की तफ्तीश में पता चला है कि कमल ने दोनों बदमाशों को इस काम के लिए दो लाख रुपये चुकाए थे। एक ऑटोमोबाइल रिपेयर शॉप के मालिक कमल ने पुलिस स्टेशन में मीडिया को बताया, 'मेरे बेटे ने अपना होश खो दिया था। वह गालियां देता था और यहां तक कि पैसे के लिए वह मुझे और अपनी मां को पीटता भी था। एक बार उसने अपनी मां का हाथ ही तोड़ डाला था। मैं उसे एक डॉक्टर के पास भी लेकर गया था और उसका ट्रीटमेंट चल रहा था, लेकिन अब वह हर दूसरे दिन पैसे की मांग करता था।

न्यूज गैलरी

मध्य प्रदेश में अगस्त के पहले सप्ताह में अच्छी बारिश की उम्मीद

भोपाल। जुलाई माह में मध्य प्रदेश में अपेक्षाकृत बरसात नहीं हुई है। लगभग 15 जिलों में अभी तक सामान्य से कम बारिश हुई है। इससे किसान चिंतित होने लगे हैं। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक मानसून द्रोणिका एक बार फिर मध्य प्रदेश से होकर गुजर रही है। इसके अतिरिक्त एक ऊपरी हवा का चक्रवात आंध्रा कोस्ट पर बनने के संकेत मिले हैं। इस सिस्टम के 31 जुलाई तक आगे बढ़ने की संभावना है। उसके प्रभाव से अगस्त के पहले सप्ताह में अच्छी बरसात की उम्मीद है। उधर शनिवार को सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे के बीच रतलाम में 19, होशंगाबाद में 18, सीधी में 14, उमरिया में 11, मंडला में 9, ग्वालियर में 7.6, छिंदवाड़ा में 5, खरगोन में 4, इंदौर में 1.6, जबलपुर में 0.4 मिमी. बारिश हुई। मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में मानसून द्रोणिका जैसलमेर, अजमेर, शिवपुरी, सतना, डाल्टनगंज, दुमका होते हुए पूर्व में मेघालय-त्रिपुरा तक जा रही है। इसके अलावा राजस्थान और गुजरात पर ऊपरी हवा के चक्रवात बने हुए हैं। इस वजह से वातावरण में कुछ नमी आ रही है। इसके चलते मध्य प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर तापमान बढ़ते ही गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ रही हैं। शुक्ला के मुताबिक आंध्र तट पर बनने वाले संभावित सिस्टम के 31 जुलाई के बाद कम दबाव का क्षेत्र बनकर आगे बढ़ने की संभावना है। इस सिस्टम के प्रभाव से अगस्त के पहले सप्ताह में अच्छी बरसात हो सकती है।

मप्र में स्नातक अंतिम वर्ष व स्नातकोत्तर चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं ऑनलाइन होंगी

भोपाल। मध्य प्रदेश में अब स्नातक अंतिम वर्ष व स्नातकोत्तर चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं ऑनलाइन आयोजित की जाएंगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट करके यह जानकारी दी है। सीएम कोरोना पॉजिटिव होने के बाद चिरायु अस्पताल में अपना उपचार करवा रहे हैं। राज्य में कोरोना संक्रमण और लॉक डाउन की वजह से स्नातक अंतिम वर्ष व स्नातकोत्तर चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं आयोजित नहीं हो सकी हैं। उल्लेखनीय है कि इस संबंध में पहले ही खबर दी गई थी कि सरकार स्नातक अंतिम वर्ष और स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा ऑनलाइन कराए जाने पर विचार-विमर्श कर रही है। सोमवार को इस सिलसिले में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी बिंदुओं पर अफसरों से रायशुमारी की थी। उन्होंने कहा था कि ऑनलाइन परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को लॉगिन आइडी जारी की जाए।

सीएम शिवराज से बिना मास्क लगाए मिले थे कई मंत्री, बड़े खतरे की आशंका

कई मौके तो ऐसे थे, जहां मंत्री बिना मास्क के सीएम के साथ देखे गए। स्वास्थ विषेशज्ञों की माने तो, इस दौरान होने वाली एक जरा सी चूक सीएम के बाद कई दिग्गजों पर भी भारी पड़ सकती है।

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश में तेजी से पैर पसार रहे कोरोना वायरस ने सूबे के मुखिया शिवराज सिंह चौहान भी अपनी चपेट में ले लिया है। फिलहाल, मुख्यमंत्री का इलाज राजधानी के चिरायु अस्पताल में चल रहा है, जहां उनकी हालत स्थिर है। हालांकि, बड़ी चिंता का विषयये है कि, इन दिनों कैंबिनेट मीटिंग, कोरोना समीक्षा बैठकें और उपचुनाव को लेकर सीएम काफी व्यस्थ रहे। इस दौरान वो मंत्रियों से सबसे ज्यादा संपर्क में आए। कई मौके तो ऐसे थे, जहां मंत्री बिना मास्क के सीएम के साथ देखे गए। स्वास्थ विषेशज्ञों की माने तो, इस दौरान होने वाली एक जरा सी चूक सीएम के बाद कई दिग्गजों पर भी भारी पड़ सकती है।

टंडन की अंत्येष्टि में गए थे लखनऊ

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान राज्यपाल लालजी टंडन के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए प्रदेश के सहकारिता मंत्री अरविंद भदौरिया, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत के साथ 21 जुलाई को लखनऊ प्रवास पर गए थे। वहां से लौटने के बाद कैबिनेट मंत्री भदौरिया कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। चौहान के पारिवारिक सूत्रों की मानें तो उन्हें शुक्रवार शाम को मंत्रालय से लौटने के बाद मुख्यमंत्री को कुछ असहज देखा गया था। इसके बाद उन्हें हल्की खांसी भी शुरु हो गई, जिसके बाद उन्होंने डॉक्टर से परामर्श किया और कोरोना वायरस की जांच के लिए सैंपल दिया। शनिवार सुबह 11 बजे उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इसके बाद चिरायु अस्पताल से जारी हेल्थ बुलेटिन में कोरोना की पुष्टि हुई साथ ही, उनका स्वास्थ स्थिर बताया गया।

मुख्यमंत्री के नजदीकी सूत्रों की मानें तो, शिवराज से पहले उन्हीं की कैबिनेट के सहकारिता मंत्री अरविंद भदौरिया के संपर्क में आने से मुख्यमंत्री कोरोना की चपेट में आए हैं। मध्य प्रदेश के सरकारी विमान से लखनऊ जाते समय शिवराज सिंह चौहान प्रदेशाध्यक्ष शर्मा दाहिनी ओर आमने-सामने बैठे थे। वहीं, बाई ओर मंत्री भदौरिया और भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत आमने-सामने बैठे थे, लेकिन लखनऊ में जब मीडिया ने मुख्यमंत्री से संवाद किया तब उनके ठीक बाजू में भदौरिया ही ख? थे। माना जा रहा है कि, भदौरिया के साथ ही सीएम का सबसे अधिक समय बीता है। फिलहा, मंत्री भदौरिया भी कोरोना पॉजिटिव होने के बाद चिरायु अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

समीक्षा ...

भोपाल (नवप्रदेश)। प्रमुख सचिव खेल पंकज राग एवं संचालक खेल ने खेल गतिविधियों की ऑनलाइन समीक्षा की।

फेल विद्यार्थी निराश न हो - मुख्यमंत्री चौहान

रूक जाना नहीं; योजना में पुन: मिलेगा अवसर

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 2020 परीक्षा में अनुत्तीर्ण विद्यार्थी निराश न हो। उनके लिये रूक जाना नहीं योजना लागू की गई है। इस योजना में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को पुन: परीक्षा देने का अवसर दिया जाएगा। योजनान्तर्गत पात्र विद्यार्थी कक्षा 10 के लिये 28 जुलाई और कक्षा 12 के लिये 5 अगस्त तक एम.पी. ऑनलाइन कियोस्क के माध्यम से अथवा स्वयं ऑनलाइन निर्धारित शुल्क जमा कर परीक्षा के लिये पंजीयन करा सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि योजना माध्यमिक शिक्षा के ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने वर्ष 2018 की रूक जाना नहीं योजना के अंतर्गत कक्षा 10वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है परंतु वह कक्षा 12वीं की परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सकें है, वे भी योजना का लाभ उठाकर अगस्त माह में होने वाली परीक्षा में शामिल हो सकते है। परीक्षा प्रश्न-पत्र मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल के पाठ्यक्रम अनुसार ही होंगे तथा केवल अनुत्तीर्ण विषयों की ही परीक्षा देनी होगी। रूक जाना नहीं योजना में यह भी प्रावधान है कि यदि किसी कारणवश परीक्षार्थी माह अगस्त 2020 की परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो पाते तो वे शेष अनुत्तीर्ण विषयों की परीक्षा माह दिसम्बर 2020 में दे सकते है। इसके लिये उन्हें पुन: अपना पंजीयन एम.पी. ऑनलाइन पर करवाना होगा। इस प्रकार विद्यार्थियों को दूसरा अवसर भी प्रदान किया जायेगा। जुलाई 2020 में आयोजित प्रथम चरण की परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले परीक्षार्थी को ही कक्षा 11वीं में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी। द्वितीय चरण में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को कक्षा 11वीं में नियमित प्रवेश नहीं मिलेगा। परंतु वे वर्ष 2022 के जून माह में रूक जाना नहीं योजना अंतर्गत 12वीं की परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे।

एक सप्ताह में बनने वाला कोविड सेंटर दो माह बाद भी अधूरा

भोपाल/मंडीदीप । कोरोना संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिले में भविष्य में संक्रमण बढ़ने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने इससे निपटने के लिए पूर्व तैयारियों का दावा किया था। इसी के अंतर्गत सबडिविजन में 200 बिस्तरों के बेड की व्यवस्था की जानी थी। इनमें से 10-10 बेड के 4 वार्ड निर्माणाधीन सिविल अस्पताल भवन में बनाए जाने थे, लेकिन काम अधूरा है। स्थिति यह है कि कलेक्टर के एक सप्ताह में बनाने के आदेश के बाद भी ठेकेदार सुस्त रवैया अपनाए हुए है। वहीं स्वास्थ्य विभाग के साथ जिला प्रशासन भी इस मामले में लापरवाह दिखाई दे रहा है। हालांकि अब ठेकेदार जल्दी ही इन वार्डों को बनाकर स्वास्थ्य

विभाग को सौंपने की बात कह रहा है। खास बात यह है कि इन 40 बिस्तरों के आलावा औबेदुल्लागंज एंव गौहरगंज स्वास्थ्य केंद्रों के साथ निजी अस्पतालों में भी कोविड सेंटर की व्यवस्था नहीं की जा सकी है। कोविड-19 से निपटने के लिए इस समय सबडिविजन में फिलहाल कोई व्यवस्था नहीं है। पॉजीटिव मरीजों का उपचार रायसेन या भोपाल में कराया जा रहा है लेकिन माना जा रहा है कि भविष्य में संक्रमण बढ़ने का अनुमान है। इसे दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन बेड की संख्या बढ़ाकर इसे 200 किए जाने की तैयारी कर रहा है। बीते माह 16 मई को कलेक्टर उमाशंकर भार्गव ने नगर का भ्रमण करते हुए अधिकारियों को इस दिशा में तेजी से काम करने के निंदेश दिए थे। लेकिन 2 महीने बीत जाने के बाद भी ब्लॉक में कोविड केयर का अभी तक कोई अता पता नही है। जिला प्रशासन ने रायसेन के बाद औबेदुल्लागंज सबडिविजन में 3 कोविड केयर सेंटर बनाने की योजना तो बनाई थी, मगर काम धरातल पर उतरती नहीं दिख रही है।

मध्य प्रदेश कांग्रेस में युवा नेतृत्व को लेकर गोलबंदी, नकुल नाथ के वीडियो से माहौल गर्माया

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल । मप्र के कांग्रेस विधायक आए दिन इस्तीफे देकर पार्टी को झटके दे रहे हैं, लेकिन वह आपसी कलह और गुटबाजी से उबर नहीं पा रही है। अब प्रदेश कांग्रेस में युवा नेतृत्व को लेकर गोलबंदी शुरू हो गई है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के पुत्र व सांसद नकुल नाथ के मैं करूंगा नेतृत्व वीडियो वायरल होने के बाद माहौल गर्मा गया है। खासतौर से पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के पुत्र व पूर्व मंत्री जयवर्द्धन सिंह और नकुल नाथ के समर्थकों के बीच रार चल रही है। इस बीच भाजपा ने मौके का लाभ उठाते हुए कांग्रेस पर तंज कसना शुरू कर दिया है। सोशल मीडिया पर सांसद नकुल नाथ का वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह कह रहे हैं कि आने वाले उपचुनाव में युवाओं का नेतृत्व मैं करूंगा।

पिछले मंत्रिमंडल में हमारे जो युवा मंत्री थे, जैसे कि जीतू पटवारी, जयवर्द्धन सिंह, हरि बघेल, सचिन यादव, ओमकार मरकाम, ये सब अपने-अपने क्षेत्र में आने वाले उपचुनाव में युवाओं का नेतृत्व मेरे साथ करेंगे। इस वीडियो के वायरल होते ही प्रतिक्रिया का दौर शुरू हो गया है।यह वीडियो इस बात का संकेत भी है कि नेतृत्व को लेकर कांग्रेस में दोनों पूर्व मुख्यमंत्रियों के पुत्रों की खींचतान खुलकर सामने आ गई है। उनके समर्थक इसका लाभ उठाते हुए गोलबंदी की धार पैनी करने में जुटे हैं।

कांग्रेस में युवराज का संघर्ष उजागर

हाल में पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ भाजपा में शामिल हुए कांग्रेस के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी ने वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया व्यक्त की कांग्रेस में युवराज का संघर्ष सबके सामने आया। अब नकुल नाथ ने मप्र कांग्रेस पर अपना हक जताया। उन्होंने आगे लिखा राजा साहब और कंपनी बहादुर के बीच जंग और तेज। नकुल नाथ का नेतृत्व करने वाला वीडियो वायरल होते ही ट्रेंड करने लगा है। ध्यान रहे कि कुछ दिन पूर्व एक ओर जहां कांग्रेस समर्थकों ने जयवर्द्धन सिंह को भावी मुख्यमंत्री बताने के होर्डिंग्स और बैनर लगाए थे वहीं नकुल नाथ के समर्थकों ने उनके नेतृत्व की घोषणा की थी। एक पोस्टर में तो जयवर्द्धन पर तंज कसते हुए नकुल नाथ समर्थकों ने कहा था कि पोस्टर लगाने से कोई मुख्यमंत्री नहीं बन जाता।

इस तरह विरासत के जरिये सियासत में आए बड़े घरानों के दो युवा नेताओं की गुटबाजी सतह पर आने लगी है। नकुल नाथ नेतृत्व की बात करते समय यह भी भूल गए कि जिन पूर्व मंत्रियों का वह नाम गिना रहे हैं वह राजनीति में वरिष्ठ हैं और प्रोटोकाल के लिहाज से तो जीतू पटवारी प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष होने के नाते नकुल नाथ के नेता भी हैं लेकिन, वह जयवर्द्धन पर निशाना लगाने और अति उत्साह में वह कई नाम गिना गए जो अब उन्हीं के लिए मुसीबत का सबब बनने वाला है।

दिग्विजय ने संघ व भाजपा पर लगाया था आरोप

याद रहे अभी कुछ दिनों पहले ही पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने बयान दिया था कि आरएसएस और भाजपा के लोग उनकी और कमल नाथ की दोस्ती तोड़ने के लिए लंबे समय से सक्रिय हैं लेकिन उन्हें न तो सफलता मिली और न ही मिलेगी। नकुल नाथ युवा विधायकों के नेता, पोस्टर भाजपा की साजिश मध्य प्रदेश में नकुल नाथ कांग्रेस के अकेले लोकसभा सदस्य हैं।

संक्रमण की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन लेगा लॉकडाउन का फैसला

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल । प्रदेश में एक बार फिर कोरोना वायरस संक्रमण का फैलाव तेजी से हो रही है। भोपाल सहित अन्य जिलों में बड़ी संख्या में पॉजिटिव प्रकरण सामने आ रहे हैं। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने लॉकडाउन कर संपर्क की कड़ी को तोड़ने की रणनीति अपनाई है। प्रदेश के कई जिलों में स्थानीय परिस्थितियों के हिसाब से लॉकडाउन की अवधि। तय की जा रही है। भोपाल में चार अगस्त, कटनी में दो अगस्त तो जबलपुर में सोमवार तक लॉकडाउन रखा गया है।

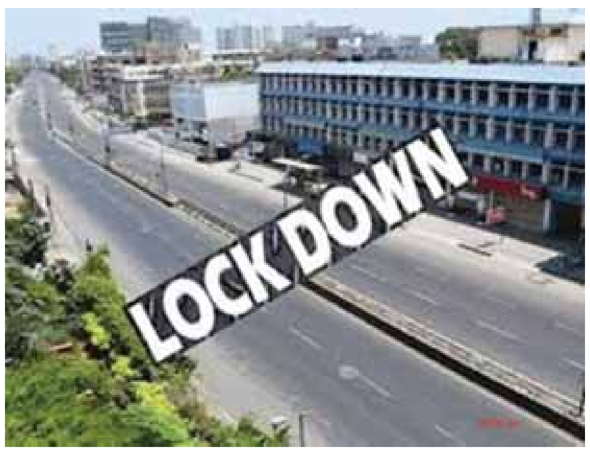

शनिवार और रविवार को कई शहरों में बाजार बंद रखे जा रहे हैं। प्रदेश के गृह विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कलेक्टरों को जिला आपदा प्रबंधन समूह के साथ बैठक करके स्थानीय परिस्थिति के अनुसार निर्णय लेने के अधिकार दिए गए हैं। कोरोना संक्रमण की स्थिति को देखते हुए भोपाल में बाजार चार अगस्त तक पूरी तरह बंद रखे गए हैं। राज्य स्तरीय कार्यालयों में भी 30 फीसद कर्मचारियों के साथ काम चलाने के लिए कहा गया है।

वहीं, जबलपुर, शहडोल, ग्वालियर, भिंड, रायसेन सहित अन्य जिलों में स्थानीय स्थितियों के हिसाब से निर्णय लिए जा रहे हैं। लॉकडाउन का असर उद्योग-धंधों पर न पड़े, इसके लिए आर्थिक गतिविधियां जारी रखी जाएंगी।पड़ोसी राज्यों की सीमा से लगे जिलों में आवाजाही पर नजर रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं।

लापरवाही बन रही बड़ी वजह

बताया जा रहा है कि मुरैना, बड़वानी जैसे जिलों में कोरोना पॉजिटिव की बड़ती संख्या लापरवाही का नतीजा है। दरअसल, अनलॉक के बाद आमजन ने जहां कोरोना की रोकथाम के लिए जरूरी सावधानियों को नजरअंदाज किया, वहीं प्रशासनिक अमला भी निष्क्रिय हो गया। यही वजह है कि बाजार, पार्क आदि स्थानों पर भीड़ जमा होने लगी। शारीरिक दूरी का पालन नहीं किया गया। यहां तक की सार्वजनिक स्थानों पर मास्क लगाना भी कम कर दिया गया। यही वजह से नियंत्रित होती जा रही स्थिति एक बार फिर बिगड़ने लगी है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सावधानियां सभी को रखनी पड़ेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा के चलते रहेंगे काम पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के लिए मनरेगा के काम चलते रहेंगे। शारीरिक दूरी का पालन करते हुए काम कराए जाएंगे। हर व्यक्ति को मास्क लगाना अनिवार्य रहेगा।

36 लाख हितग्राहियों की बनेंगी पात्रता पर्ची

उधर, खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री बिसाहूलाल सिंह ने शनिवार को विभागीय समीक्षा में अधिकारियों को निर्देश दिए कि उन 36 लाख हितग्राहियों की पात्रता पर्ची अगस्त में बनवाई जाए, जो अभी तक खाद्यान्न पाने से वंचित थे। प्रदेश सरकार ने तय किया है कि इन सभी को राज्य अपनी ओर से राशन देगा।

संपादकीय

चिकित्सा विशेषाज्ञों की राय जरूरी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनलॉक तीन पर चर्चा के लिए एक बार फिर 27 जुलाई को देश के सभी मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियों कांफ्रेंसिंग करने की बात कही है। गौरतलब है कि देश के अधिकांश राज्यों में अब लॉकडाउन खत्म कर अनलॉक कर दिया गया है। जिसके दो चरण हो गए है। अब अनलॉक तीन पर मुख्यमंत्रियों के साथ चर्चा करके केन्द्र सरकार फैसला करेगी। इस बीच देश में कोरोना वायरस के संक्रमण का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। अब प्रतिदिन 48 हजार नए मामले सामने आ रहे है और देश में कोरोना सक्रंमित लोगों की संख्या 14 लाख होने जा रही है। लॉकडाउन हटने के बाद से ही कोरोना वायरस ने हैरतंगेज रफ्तार पकड़ी है। यह सही है कि अन्य देशों के मुकाबले भारत में रिकवरी रेट बेहतर है और कोरोना वारयस से मरने वालों की संख्या भी अपेक्षाकृत कम है लेकिन जिस तेजी से कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ रही है वह गंभीर चिंता का विषय है। हमारे देश में स्वास्थ्य सुविधाओं का हाल बेहाल है। अभी भी हालत यह है कि मुंबई, दिल्ली और बिहार जैसे स्थानों में कोरों संक्रमित मरीजों के लिए अस्पताल में बेड कम पड़ रहे है। लोगों को घर पर रहकर ही उपचार कराने की सलाह दी जा रही है। यदि ऐसी स्थिति में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या और ज्यादा बढ़ेगी तो स्थिति बेकाबु होते देर नहीं लगेगी। इसलिए अनलॉक तीन में क्या-क्या चीजें खोली जाए और क्या बंद रखी जाए इस पर चिकित्सा विभाग के विशेषज्ञों से चर्चा करना ज्यादा उपयुक्त होगा। केन्द्रीय सूचना प्रसारण मंत्रालय ने अनलॉक तीन में सिनेमा घरों को चालू करने की कवायद शुरू कर दी है। सरकर 25 प्रतिशत दर्शकों के साथ सिनेमा घरों को चालू कराने के पक्ष में है। वहीं थिएटर मालिक चाहते है कि 50 प्रतिशत दर्शकों के साथ सिनेमा घर चालू करने की अनुमति दी जाए। ऐसे समय में जब देश में कोरोना का कहर लगातार टूट रहा है सिनेमा घरों को किसी भी स्थिति भी चालू करना कतई उचित नहीं है। इसी तरह स्कूल, कॉलेजों को भी बंद रखना उपयुक्त होगा। जहां भी भीड़ बढ़ेगी वहा कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा बढ़ेगा और सामुदायिक संक्रमण की आशंका बनी रहेगी। बेहतर होगा कि स्थिति की गंभीरता को मद्देनजर रख कर सरकार चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों के साथ इस मुद्दे पर गंभीर मंत्रणा करे और इसके बाद ही कोरोना के खिलाफ जंग की भावी रणनीति तय करे। अन्यथा कोरोना वायरस का प्रकोप और बढ़ जाएगा और एक समय स्थिति यह आएगी कि इस पर काबू पाना असंभव की हद तक कठिन हो जाएगा। केन्द्र सरकार को यह भी चाहिए कि वह स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देशों का सख्ती पूर्वक पालन कराने के लिए भी केन्द्र स्तर पर कड़े कदम उठाए। क्योंकि इस मामले में अधिकांश राज्य सरकारें विफल रही है और इसी वजह से कोरोना वायरस अब गांव-गांव में भी पांव पसार रहा है।

बीजेपी मंत्री ने अपनी ही सरकार के खिलाफ धरना दे दिया

सांसद गणेश सिंह क्रीमी लेयर के मसले पर दिखा रहे हैं बागी तेवर

एल.एस. हरदेनिया

शेखावत ने कहा कि यह अच्छी तरह से स्थापित तथ्य है कि लॉकडाउन कोरोना वायरस की बीमारी को खत्म नहीं कर सकता है। जब तक वैक्सीन विकसित नहीं होती तब तक यह बीमारी बनी रहेगी। इसलिए, कम से कम कोविद -19 के नाम पर व्यवसायों को खत्म मत करो। उन्होंने वाणिज्यिक क्षेत्र में ठेले पर विक्रेताओं को अपने उत्पाद बेचने की अनुमति नहीं देने के निर्णय पर अधिकारियों को लताड़ लगाई। 'क्या अधिकारी इतने असंवेदनशील हो गए हैं कि उन्होंने अब उन गरीब विक्रेताओं को निशाना बनाना शुरू कर दिया है जो दिनभर मेहनत करने के बाद कुछ कमाते हैं?' उन्होंने कहा कि वह आश्चर्यचकित हैं कि स्थानीय जन प्रतिनिधि यह सब होने दे रहे हैं। यहां यह ध्यान दिया जा सकता है कि विवादों से भाजपा को शर्मिंदगी उठानी पड़ रही है, जिसे 26 विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव का सामना करना पड़ रहा है।

क्या आप किसी मंत्री द्वारा अपनी सरकार के खिलाफ धरना देने की कल्पना कर सकते हैं? लेकिन मध्य प्रदेश में ऐसी अजीब और अभूतपूर्व घटना घटी है। इसके अलावा भाजपा के दो वरिष्ठ नेताओं ने सरकार के खिलाफ आवाज उठाई है। ऐसी एक आवाज केंद्र सरकार के खिलाफ और दूसरी राज्य सरकार के खिलाफ उठाई गई है। मध्यप्रदेश के लोक निर्माण विभाग के मंत्री गोपाल भार्गव ने सागर जिले में एक आदिवासी - एक सरपंच के पति, जिसे बाद में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई, को परेशान करने के लिए कार्रवाई करने की मांग को लेकर सागर जिले में धरना दिया। उन्होंने कहा कि वन अधिकारी ने उनके ट्रैक्टर को जब्त कर लिया था और उन्हें परेशान कर रहे थे जिससे उनकी मृत्यु हो गई। उनके धरने के बाद, जिला प्रशासन ने वन रेंजर के खिलाफ मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए। इस बीच कांग्रेस को भाजपा में आंतरिक कलह के लिए जिम्मेदार ठहराया गया। पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ने कहा भाजपा ने भार्गव को दरकिनार कर दिया है और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने पार्टी में अपना स्थान 3 नंबर तक घटा लिया है। वह धरना पर बैठकर अपनी हताशा को बाहर निकाल रहे हैं।

आदिवासी की मौत के बाद, उसके परिवार ने अन्य ग्रामीणों के साथ शव के साथ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने रेंजर की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। जल्द ही, भार्गव ने उनका साथ दिया। उन्होंने प्रशासन को धमकी दी कि 10,000 लोगों को बड़ा विरोध प्रदर्शन शुरू करने के लिए जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को बुलाया जाए।

केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज भाजपा के वरिष्ठ लोकसभा सदस्य गणेश सिंह द्वारा उठाई गई है, गणेश सिंह ने संसद के 112 ओबीसी सदस्यों को एक पत्र संबोधित किया है जिसमें उन्हें मलाईदार परत की परिभाषा में प्रस्तावित बदलाव का विरोध करने के लिए कहा है। प्रस्तावित

परिवर्तनों के अनुसार क्रीमी लेयर को परिभाषित करते हुए कृषि द्वारा वेतन और आय को शामिल किया जाएगा। गणेश सिंह ने सांसदों से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को प्रस्तावित परिवर्तनों के विरोध में अपने विचारों से अवगत कराने का आग्रह किया है। यदि वेतन को क्रीमी लेयर को परिभाषित करने में शामिल किया जाता है तो बड़ी संख्या में ओबीसी को नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण का लाभ उठाने से रोकने के लिए ओबीसी की श्रेणी से बाहर रखा जाएगा। एक अन्य वरिष्ठ नेता भवर सिंह शेखावत ने दो महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए हैं। पहला मुद्दा यह है कि निजी अस्पताल कोरोना के मरीजों को छोड़ रहे हैं। वे अत्यधिक शुल्क ले रहे हैं। सरकार को गरीब मरीजों को लुटने से रोकना चाहिए, अगर सरकार उचित उपाय करने में विफल रही तो वह आंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने इंदौर की समस्याओं की देखभाल करने में उनकी विफलता के लिए मंत्री तुलसी सिलावट की भी आलोचना की है। सिलावट ज्योतिरादित्य सिंधिया का अनुयायी है।

शेखावत ने कोविद -19 के कारण शहर में लागू की गई दुकानों को खोलने के लिए वाम-अधिकार प्रणाली पर भी प्रहार किया और इसके तत्काल निरस्तीकरण की मांग की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन को कोरोना वायरस के नाम पर व्यवसायियों को परेशान करना बंद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले पांच महीनों में कोविद -19 के कारण व्यावसायिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। ÷दुकानदारों और व्यापारियों को इन महीनों में भारी नुकसान हुआ है। अब, सभी व्यवसायों को सामान्य रूप से कार्य करने की अनुमति दी जानी चाहिए, लेकिन दुकानों को खोलने की वाम-अधिकार प्रणाली दुकानदारों को आगे परेशान कर रही है ÷शेखावत ने कहा। उन्होंने कहा कि अगर सरकारी अधिकारियों का वेतन पांच महीने के लिए रोक दिया जाता है, तो उन्हें पता चलेगा कि आय के बिना घर चलाना कितना मुश्किल है। अधिकारी ने कहा, ÷व्यावसायिक गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के बजाय, व्यवसायी अपने प्रतिष्ठानों को चलाने के लिए सभी को मुश्किल बना रहे हैं। यह रुकना चाहिए अन्यथा वे सड़कों पर उतरेंगे और मैं उनका साथ दूंगा।

शेखावत ने कहा कि यह अच्छी तरह से स्थापित तथ्य है कि लॉकडाउन कोरोना वायरस की बीमारी को खत्म नहीं कर सकता है। जब तक वैक्सीन विकसित नहीं होती तब तक यह बीमारी बनी रहेगी। इसलिए, कम से कम कोविद -19 के नाम पर व्यवसायों को खत्म मत करो। उन्होंने वाणिज्यिक क्षेत्र में ठेले पर विक्रेताओं को अपने उत्पाद बेचने की अनुमति नहीं देने के निर्णय पर अधिकारियों को लताड़ लगाई। 'क्या अधिकारी इतने असंवेदनशील हो गए हैं कि उन्होंने अब उन गरीब विक्रेताओं को निशाना बनाना शुरू कर दिया है जो दिनभर मेहनत करने के बाद कुछ कमाते हैं?' उन्होंने कहा कि वह आश्चर्यचकित हैं कि स्थानीय जन प्रतिनिधि यह सब होने दे रहे हैं। यहां यह ध्यान दिया जा सकता है कि विवादों से भाजपा को शर्मिंदगी उठानी पड़ रही है, जिसे 26 विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव का सामना करना पड़ रहा है। फिर भी एक और विवाद प्रकाश अम्बेडकर द्वारा की गई घोषणा के कारण हुआ है कि उनकी पार्टी उन सभी 26 निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवार खड़ा करेगी जहाँ चुनाव सितंबर के महीने में होने की संभावना है। **(संवाद)**

विचार-

टंडनजी थे, हरदिल अजीज़ नेता

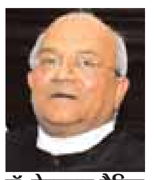

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

श्री लालजी टंडन-जैसे कितने नेता आज भारत में हैं ? वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा में अपनी युवा अवस्था से ही हैं लेकिन उनके मित्र, प्रेमी और प्रशंसक किस पार्टी में नहीं हैं ? क्या कांग्रेस, क्या समाजवादी, क्या बहुजन समाज पार्टी-- हर पार्टी में टंडनजी को चाहनेवालों की भरमार है। टंडनजी संघ, जनसंघ और भाजपा से कभी एक क्षण के लिए विमुख नहीं हुए। यदि वे अवसरवादी होते तो हर पार्टी उनका स्वागत करती और उन्हें पद की लालसा होती तो वे उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री कभी के बन गए होते। वे पार्षद रहे, विधायक बने, सांसद हुए, मंत्री बने और अब मध्यप्रदेश के राज्यपाल हैं। जो भी पद या अवसर उन्हें सहज भाव से मिलता गया, उसे वे विन्रमतापूर्वक स्वीकार करते गए। उत्तरप्रदेश की राजनीति जातिवाद के लिए काफी बदनाम है। वहां का हर बड़ा नेता जातिवाद की बंसरी बजाकर ही अपनी दुकानदारी जमा पाता है लेकिन टंडनजी हैं कि उनकी राजनीति संकीर्ण सांप्रदायिकता और जातीयता के दायरों को तोड़कर उनके पार चली जाती है। इसीलिए वे हरदिल अजीज़ नेता रहे हैं। टंडनजी से मेरी भेंट कई वर्षों पहले अटलजी के घर पर हो जाया करती थी। उसे भेंट कहें या बस नमस्कार–चमत्कार ? उनसे असली भेंट अभी कुछ माह पहले भोपाल में हुई जब मैं किसी पत्रकारिता समारोह में व्याख्यान देने वहां गया हुआ था। आपको आश्चर्य होगा कि वह भेंट साढ़े चार घंटे तक चली। न वे थके और न ही मैं थका। मुझे याद नहीं पड़ता कि मेरे 65-70 साल के सार्वजनिक जीवन में किसी कुर्सीवान नेता याने किसी पदासीन भारतीय नेता से मेरी इतनी लंबी मुलाकात हुई हो। टंडनजी की खूबी यह थी कि वे जनसंघ और भाजपा के कट्टर सदस्य रहते हुए उनके विरोधी नेताओं के भी प्रेमभाजन रहे। उनके किन-किन नेताओं से संबंध नहीं रहे ? आप यदि उनकी पुस्तक 'स्मृतिनाद' पढ़ें तो आपको टंडनजी के सर्वप्रिय व्यक्तित्व का पता तो चलेगा ही, भारत के सम-सामयिक इतिहास की ऐसी रोचक परतें भी खुल जाएंगी कि आप दांतों तले उंगली दबा लेंगे। 284 पृष्ठ का यह ग्रंथ छप गया है लेकिन अभी इसका विमोचन नहीं हुआ है। टंडनजी ने यह सौभाग्य मुझे प्रदान किया कि इस ग्रंथ की भूमिका मैं लिखूं। इस ग्रंथ में उन्होंने 40-45 नेताओं, साहित्यकारों, समाजसेवियों और नौकरशाहों आदि पर अपने संस्मरण लिखे हैं। ये संस्मरण क्या हैं, ये सम-सामयिक इतिहास पर शोध करनेवालों के लिए प्राथमिक स्त्रोत हैं। उनकी इच्छा थी कि इस पुस्तक का विमोचन दिल्ली, भोपाल और लखनऊ में भी हो।

कांग्रेस के सामने अभूतपूर्व संकट

दो ही विकल्प- करो या मरो

कल्याणी शंकर

दुर्भाग्य से कांग्रेस अब सत्ता में नहीं है। सोनिया गांधी ने 1998 में पार्टी की कमान संभाली थी, जब क्षरण हुआ था और वह इसे रोकने और पार्टी को दो बार सत्ता में लाने में सक्षम थीं। आज वही सोनिया बेबस है। सबसे आसान तरीका युवा नेताओं के लिए धैर्य की सलाह देना होगा, जबकि पुराने गार्ड को यह स्पष्ट करना होगा कि उन्हें अब जाने का समय हो गया है। पुराने और युवा दोनों नेताओं का एक मिश्रण इस मुद्दे को सुलझाने में सफल होगा। कांग्रेस के पास केवल दो विकल्प हैं- करो या मरो। यह पार्टी पर निर्भर करता है कि अतीत के गौरव को वापस लाने का विकल्प वह चुनती है या नहीं। अभी भी उसके पास कुछ समय है।

कांग्रेस पार्टी को अपने अंदर चल रहे एक अभूतपूर्व सत्ता संघर्ष का सामना करना पड़ रहा है, जो भारत की सबसे पुरानी पार्टी पर बहुत भारी पड़ रहा है। कांग्रेस लगभग समाप्त हो रही है। इसने कुछ ही हफ्ते पहले मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्य को खो दिया था और एक और बड़े राज्य राजस्थान को खोने की प्रक्रिया में है। भले ही अशोक गहलोत सरकार मौजूदा संकट से बच जाय, लेकिन सदन में नाजुक बहुमत के मद्देनजर उसपर खतरे की तलवार लटकती रहेगी और वह तलवार उस पर गिर कर उस सरकार को भविष्य में कभी भी अस्तित्वहीन हो सकती है।

राजस्थान में वर्तमान राजनीतिक संकट केवल रोग के लक्षण मात्र हैं। रोग कुछ और है। यदि कोई बड़ी तस्वीर देखता है, तो पार्टी मुख्य रूप से पुराने नेता और युवा तुर्कों के बीच सत्ता संघर्ष के कारण खुद को नष्ट कर रही है। कहावत है कि यदि एक स्टिच समय पर लगा दो, तो बाद में यह 9 स्टिच लगने की आशंका को समाप्त कर देता है। लेकिन कांग्रेस इस समझदारी वाली कहापत का पालन नहीं कर रही। कांग्रेस आलाकमान ने पहले से कमजोर पार्टी को और अधिक कमजोर करने वाला काम किया है। लगातार दो लोकसभा चुनाव हारने के बाद भी बीमारी को दूर करने का कोई प्रयास नहीं किया गया है। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि पहले ज्योतिरादित्य सिंधिया और सचिन पायलट जैसे युवा नेता अब अन्य जगहों पर हरियाली की तलाश कर रहे हैं। जबकि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 2017 में पार्टी प्रमुख के रूप में अपने बेटे राहुल का अभिषेक करने में कामयाबी हासिल की, लेकिन उन्होंने सहज बदलाव पर ध्यान नहीं दिया। यह वह चूक है, जो अब सत्ता संघर्ष का कारण है। राहुल गांधी ने यह स्पष्ट किया है कि वह पुराने गार्ड के साथ सहज नहीं हैं और पुराने गार्ड उनके नए विचारों का विरोध कर रहे हैं, जो यथास्थिति बनाए रखना चाहते हैं। विडंबना यह है कि जब वह दो साल पहले मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे बड़े राज्यों को प्राप्त करने में कामयाब रहे, तो भी वह उन्हें बरकरार नहीं रख पाये। कांग्रेस का नेतृत्व पिछले दो वर्षों से संकट को देखने में विफल रहा जब राजस्थान में दो युवा और महत्वाकांक्षी नेता -सचिन और

मध्य प्रदेश के सिंधिया को शीर्ष पद से वंचित कर दिया गया और उन्होंने पुराने गार्ड को चुना - अशोक गहलोत और कमलनाथ को राजस्थान और मध्य प्रदेश में चुना गया मुख्यमंत्री के रूप में। इस सत्ता संघर्ष को सुलझाने के लिए आलाकमान ने कुछ नहीं किया। कांग्रेस 1989 से यूपी में दशकों से, पश्चिम बंगाल 1977 से, तमिलनाडु 1977 से, गुजरात गुजरात 1989 से और ओडिशा 2000 के बाद से सत्ता में नहीं है। उत्तर पूर्व में भी कांग्रेस अपनी पकड़ खो चुकी है। इस पतन के बावजूद, कांग्रेस ने 2019 में 11 करोड़ वोट जीते। भाजपा को बाहर रखने के लिए उसे एकजुट कांग्रेस, अच्छे गठबंधन सहयोगियों, जड़ स्तर पर मजबूत बनाने और एक नई कथा की आवश्यकता है। शीर्ष पर एक निर्वात है। सोनिया गांधी का पदनाम अंतरिम अध्यक्ष है। यह पदनाम लोगों को भ्रमित कर रहा है। वे अध्यक्ष 'के बारे में उलझन में है क्योंकि सोनिया को तब बुलाया गया था जब उन्होंने राहुल के अगस्त में इस्तीफा देने के बाद अध्यक्ष पद वापस ले लिया था। ऐसे कई लोग हैं जो सोचते हैं कि पार्टी को अपने अध्यक्ष के रूप में एक गैर-गांधी होना चाहिए, लेकिन पार्टी गांधी परिवार के फांस में फंस गई है। इसी संदर्भ में वर्तमान सत्ता संघर्ष को देखा जाना चाहिए। पुराने रक्षक महत्वाकांक्षी युवा तुर्कों पर फिदा हो जाते हैं और बाद वाले अधीर होते हैं। यहां तक कि टीम राहुल बिखर रही है। राहुल के 'अपने दो करीबी दोस्त- सिंधिया और पायलट विद्रोह कर चुके हैं। मिलिंद देवड़ा और जितिन प्रसाद जैसे अन्य लोगों के बाहर निकलने से भी जल्द या बाद में इनकार नहीं किया जा सकता है। भाजपा की रणनीति प्रतिद्वंद्वियों को कमजोर करने के लिए अन्य दलों के कदावर नेताओं को आयात करने की रही है। भाजपा उन्हें पदों के साथ लुभाने की स्थिति में है।

इसके अलावा जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने की तत्काल आवश्यकता है। कांग्रेस अभी भी कुछ गांवों में जीवित है और इसे पुनर्जीवित करने के लिए पार्टी में पर्याप्त प्रतिभा है, लेकिन कोई दिशा या रणनीति नहीं है। जो लोग कांग्रेस में प्रवेश करते हैं, वे युवा पुरुष और महिलाएं हैं जो पार्टी में स्थान पाने के लिए अधीर हैं। सदस्यता मिट रही है और नए सदस्यों को आकर्षित करने के लिए कोई ड्राइव नहीं है। पार्टी में पहले प्रतिबद्धता थी लेकिन आज सत्ता है, जो सदस्यों को लुभाती है। यही दुविधा कांग्रेस को झेलनी पड़ रही है। यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस पार्टी सत्ता संघर्ष का सामना कर रही है जैसा कि उसने पहले भी किया था। इंदिरा गांधी ने शक्तिशाली सिंडिकेट से सत्ता छीन ली जो साठ के दशक के अंत में उनके खिलाफ थी। हर पार्टी के अध्यक्ष या प्रधानमंत्री चाहते हैं कि उनके अपने वफादार हों और यह पीढ़ीगत बदलाव कठिन बना रहा है। **(संवाद)**

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

गमों के सागर में न डुबो खुद को उभारों

गमों के सागर में न डुबो खुद को उभारों यारो, हर ठोकर से लेकर सबक खुद को सवारों यारो! हारने, टूटने और बिखरने का नाम जीवन नही, लड़ो अंतिम सांस तक संघर्षों से न हारो यारो !!
राज चुन्नी शर्मा

थोड़ा सा तुमने बदल लिया खुद को मेरी

थोड़ा सा तुमने बदल लिया खुद को मेरी खातिर और थोड़ा सा बदला मैने खुद को तुम्हारे लिएं

बहुत ज्यादा हक जताना कम किया तुमनें और कुछ अपेक्षाएं तुमसे कम की मैंने और इस तरह जिंदगी हमारी खुशहाल हो गई ?? सच है न ???? **मीता खुराना**

खास पाती

दिल डरता है दौलत से प्यार

दिल डरता है दौलत से प्यार को तोला जाए न क्या कीमत है वफ़ा ए दिलकी हमसे बोला जाए न। मेरे लिए तुम अपने हो पर तेरे लिए हम गैर सही मुझे कितनी चाहत है तुमसे राज ये खोला जाए न। ना जाने किस डोर से तूने बिन बांधे ही बांध लिया दर पे तेरे चुपचाप खड़े हैं दर से डोला जाए न। प्यार है तुमको भी मुझसे ये पागल दिल कहता है पर तेरे इस दिल का हमसे भेद टटोला जाए न। देव हो तुम मेरी दुनिया के मैं हूं तेरी प्रेम पुजारिनसुन वैरागी छोड़ के तुमको मन ये भोला जाए न। साथ तुम्हारा पाके जानिब मन आसमान छू लेता है कैसे रोकूं के इस मन का दूर हिंडोला जाए न । **पावनी दीक्षित जानिब**

ऐसा नहीं कि प्रेम में विश्वास नहीं

ऐसा नहीं कि प्रेम में विश्वास नहीं है, पर ये भी सच है अब किसी से आस नहीं है! है ज़िंदगी चलने का नाम चल रहे हैं हम, सब साथ दिख रहे पर कोई खास नहीं है! काफी हैं मेरी राह में जुगनू के उजाले, मुझे फिर से किसी चाँद की तलाश नहीं है!! **कल्याणी कबीर**

क्यों गया था वो मुझे इतना भरोसा

क्यों गया था वो मुझे इतना भरोसा देकर खुदको बहलाते हैं हर रोज़ बहाना देकर।। आ भी जा अपने गले फिरसे लगा लूँ दिलबर दिल ये खुश होगा तुझे प्यार दुबारा देकर। इंतहा हो गई वादा भी निभाना मुश्किल मर न जाऊँ मैं कहीं सारा हवाला देकर। अब ख़यालों ही या ख़्वाबों में नज़र आता है रूबरू हो तो दिखा दूँ मैं इशारा देकर। इतनी फुर्सत भी नहीं उसको मिली है देखो देख ले कितना गया है वो तमाशा देकर। मून ये इश्क़ तो यूँ हद से गुज़र जाएगा रोक ले उसको उसे उसका दीवाना देकर। **मनोज कुमार मून**

मुस्कुराते रहो, ग़म भुलाते रहो

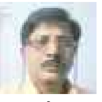

मुस्कुराते रहो, ग़म भुलाते रहो, दर्द के आसमां को झुकाते रहो। मत डरो मुश्क़िलों से कभी दोस्तों, हौसलों को सदा आज़माते रहो। जीत कर एक मंज़िल रुको ना कभी, हर नई राह से दिल लगाते रहो। एक असफ़लता का रोना कब तक भला,, हर कठिन दौर में गीत गाते रहो। ग़ैरों से मिलना जुलना हो या ना हो पर, रिश्तेदारों के घर आते जाते रहो। **डा: संजय दानी**

सफर के बीच मेरा हाथ यूँ छोड़ा

सफर के बीच मेरा हाथ यूँ छोड़ा है उसने खमोशी से किये वादों को भी तोड़ा है उसने हिमाकत देख कर उसकी मुझे हैरत हुई है बड़ी ही वहशियत से मेरा सर फोड़ा है उसने अदा करना ये अब मेरे लिए मुमकिन नहीं है कि सूद-ए-इश्क को भी इस कदर जोड़ा है उसने। **सोनिया राय**

जब कारगिल को था शत्रुओं ने

जब कारगिल को था शत्रुओं ने हथियाया हिंदुस्तान ने मिशन विजय चलाया था चोंटीयो से लड़ रहे पाकी घुसपैठियों को भारतीय वीरता का झलक दिखाया था गरजा था मिग और गरजा बोफोर्स तब महादेव के नारों से दुश्मन थर्राया था अपना भूभाग छीन रणबांकुरों ने तब टाइगर हिल पे तिरंगा फहराया था!! **कवि सुनिल शर्मा नील**

मतलब की दुनिया सारी है देखो

मतलब की दुनिया सारी है। देखो कैसी बीमारी है।। बेटे बसे विदेश कमायें घर में बेबस महतारी है। उससे पूछो सर्दी जिसने, नभ नीचे रात गुजारी है। निर्धन वंचित उससे जो भी, बनी योजना सरकारी है। धागा बाँधा मंत्र जपे जब, गुरु पर सुना राहु भारी है। शक्ति-स्वरूपा है हर बेटी मत मानो वह बेचारी है। पता नहीं इस नश्वर जग में, कब अगली किसकी बारी है। **डॉ बिपिन पाण्डेय**

QUIZ TIME

1) फरवरी, 2020 में भारत के किस क्रिकेट स्टेडियम को 'गोल्ड ग्रीन बिल्डिंग रेटिंग' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया?

2) हैदराबाद में अवस्थित कम्पनी अनंत टैक्नोलॉजीज का नाम हाल ही में क्यों चर्चा में आया?

3) ब्रिटेन के प्रिंस चार्ल्स ने 5 फरवरी, 2020 को किस देश के लिए 'चिल्ड्रेन्स प्रोटेक्शन फण्ड लांच ' किया है? (भारत / श्रीलंका)

4) विश्व का कौन-सा बंदरगाह कॉफी पोर्ट कहलाता है?

5) व्यक्ति का नाम बताए और क्यों मशहूर है?

Ramaquiz

उत्तरमाला-(1) मोटेरा, अहमदाबाद (2) यह पहली निजी कम्पनी है जो विदेशी उपग्रहों का उत्पादन करेगी (3) भारत (4) सेंटोस (ब्राजील-पोर्ट), ब्राजील (5) हनुमानप्रसाद पोद्दार और गीता प्रेस, गोरखपुर के संस्थापक हैं।

आज का इतिहास

नयी दिल्ली । भारतीय एवं विश्व इतिहास में 27 जुलाई की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं: 1655 - नीदरलैंड और ब्रांडेनबर्ग ने सैन्य संधि पर हस्ताक्षर किये। 1709 - सम्राट नाकमिकादो जापान के सिंहासन पर बैठे। 1713 - रूस और तुर्की ने शांति संधि पर हस्ताक्षर किये। 1836 - दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में एडिलेड शहर की स्थापना। 1862 - अमेरिकी शहर कैंटन में तूफान से 40 हजार लोगों की मौत। 1888 - फिलिप प्रैट ने अमेरिका में पहली बार बिजली से चलने वाले तिपहिया वाहन का प्रदर्शन किया। 1908 - हांगकांग में चक्रवात के कारण यात्री स्टीमर यिंग किंग पर सवार 421 लोगों की मौत हुई। 1935 - चीन के यांग जी और होआंग नदी में आई बाढ़ से दो लाख लोगों की मौत।

न्यूज गैलरी

लगभग ढाई दशक से जड़ें जमाए बैठा स्वास्थ्य विभाग का अकाउंटेंट अवस्थी, रिश्वत ना देने पर छोटे कर्मचारियों की रोक देता वेतन व एरियस

छतरपुर। CMHO आफिस में पदस्थ अकाउंटेंट अवस्थी अपनी राजनैतिक पहुंच व पैसे की दम पर लगभग ढाई दशक से एक ही कुर्सी पर जड़ें जमाए बैठा है। सूत्रों की माने तो जिले के समस्त स्वास्थ्य केन्द्रों का व्यौरा होने की वजह से धन लक्ष्मी के बगैर कोई काम नहीं करता। कब किसकी वेतन रोकना है कब किसकी वेतन देना है यह सब उसके हाथों में है , आपको बता दें कि वर्ष 2016 से रिटायर हुए कर्मचारियों का सातवें वेतनमान का एरियर आज दिनांक तक भुगतान नहीं किया गया है और तो और वही वर्ष 2018 में कर्मचारियों का जो दो परसेंट एवं तीन परसेंट डिए बड़ा है वह भी आज तक भुगतान नहीं किया गया, किसका जीपीएस भुगतान करना है और किसका नहीं करना है यह सब साहब से शुरू होकर साहब पर ही खत्म होता है वहां कोई अधिकारी सुनने वाला नही है और सीएमएचओ ऑफिस में पदस्थ अकाउंटेंट 25 साल से जड़ जमाए बैठे साहब की राजनैतिक गलियारों में पकड़ है साथ ही अधिकारियों पर कैसे दबाव बनाकर काम करना है यह सब इन्हें आता है, भा जा पा के नेताओं से खासी पकड़ होने की वजह से साहब का कोई कुछ बिगाड़ नहीं सकता, आप बस यह मान लो कि सीएमएचओ छतरपुर हॉस्पिटल में मोहरा बनकर काम कर रहे हैं सैकड़ों शिकायतों के बावजूद भी सीएमएचओ किस तरह से साहब पर मेहरबान है जिसको देखते ही बनता है, और तो और कर्मचारियों की आठ-आठ दस-दस माह की वेतन रोक दी जाती है और शिकायत करने के बावजूद भी आला अधिकारी दातों में तिनका दबाए बैठे रहते हैं। अकाउंटेंट साहब की फीस ना मिलने सेवानिवृत्त लोगों का जीपीएफ रोक दिया जाता है, वेतन रोकना ऐरियस रोकना तो साहब के बाएं हाथ का काम बन चुका है, विडंबना इस बात की बनी हुई है कि जिले के स्वास्थ्य केंद्र में जब यह स्थिति है और आला अधिकारियों के कानों पर जूं नहीं रेंग रही तो फिर आम जनता की कौन सुनेगा। एजेंसी संचालकों के बीच फंसे व्यापारी, राजश्री गुटखा की ब्लैकमेलिंग फिर से शुरु, नौगांव थाना क्षेत्र में पकड़े राजश्री गुटखा के मामले को रफा-दफा कराने में लगे व्यापारी।।छतरपुर/ नॉगांव / थानेदार केके खनेजा ने पकड़ा भारी मात्रा में राजश्री गुटका, गुटका सहित ट्रक को पुलिस थाना परिसर लेकर पहुंची। सूत्रों के अनुसार छतरपुर जिले में दो एजेंसी राजश्री गुटखा की संचालित हो रही है। छतरपुर शहर के अलावा महाराजपुर, गढ़ीमलहरा, नॉगांव में एक अन्य व्यापारी को एजेंसी दी गई हैं। लॉकडाउन के चलते महंगे दामों पर राजश्री गुटका की झाल को बेचा जा रहा है ।

रिटायर्ड कर्मचारियों को भी भुगतान नहीं कर पा रहा नगर निगम

रिटायर्ड कर्मचारी भटक रहे दर दर

नव प्रदेश संवाददाता

जबलपुर। जबलपुर नगर निगम वैसे तो लाख दावे करता है, बेहतरीन कार्य शैली दर्शा के अपना फेस चमकाने के लिए सबसे आगे रहता है जगह-जगह होल्डिंग में आपको वह नजारे नजर आ जाएंगे लेकिन आपको यह जानकर बेहद आश्चर्य होगा कि नगर निगम अपने कर्मचारियों को पैसा भी नहीं दे पा रहा वैसे तो कोरोना काल में 62 करोड़ का गोलमाल कर दिया गया यह पैसा कहां से आया कहां चला गया किसी को खबर नहीं लेकिन जब बात कर्मचारी हित की आये तो नगर निगम शुरू से पिछड़ा रहता है सफाई कर्मचारियों को पैसा नहीं दिया जाता वे दर दर भटक रहे हैं तो वहीं अब जून माह में 35 कर्मचारी जो रिटायर हुए हैं उनको खाली हाथ रवाना कर दिया गया ना तो उनकी अभी पेंशन चालू हुई ना जीपीएफ मिला ना पी एफ वे बार-बार नगर निगम के बड़े अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन सुनने वाला कोई नहीं हमने जून माह में नगर निगम से रिटायर्ड हुए रमाकांत पाठक अरविंद सिंह ठाकुर रंजीत सिंह ठाकुर के साथ जो 35 लोग रिटायर हुए उनके बारे में जानकारी हासिल की तो पता चला कि उनको आज तक नगर निगम की तरफ से 1 भी अदा नहीं किया गया जबलपुर नगर निगम में जून माह में 35 कर्मचारी रिटायरमेंट हुए हैं इससे पहले जब भी कभी कोई कर्मचारी रिटायर्ड होता था तो उसको हाथों हाथ पीएफ का चेक दे दिया जाता था लेकिन अब कर्मचारियों को आज दिनांक तक उनके रिटायरमेंट का एक पैसा नही मिला नगर निगम द्वारा जीपीएफ की राशि काटी जाती है वह राशि कर्मचारी की स्वयं की होती है रिटायरमेंट के बाद वह राशि का भुगतान नहीं किया गया इसी बात को लेकर रिटायरमेंट कर्मचारियों ने आंदोलन का रास्ता अपनाने की बात कही है जबकि नगर निगम अपने खर्चे और ठेकेदारों को पेमेंट वक्त पर किया जा रहा है लेकिन रिटायरमेंट कर्मचारियों को पैसे देने के नाम पर नगर निगम ने चुप्पी साध रखी है

पार्किंग लाइन क्रॉस करने वाले वाहनों पर जुर्माने का चाबुक,शरद एक्शन मोड़ पर

उमरिया /नवप्रदेश। उमरिया मुख्यालय स्थित मुख्य बाजार में कलेक्टर के निर्देश पर अभी हाल में पार्किंग लाइन बनाई गई थी,शनिवार की शाम यातायात प्रभारी ने पार्किंग लाइन के बाहर खड़े वाहनों पर यातायात विभाग ने कार्यवाही की है,इस दौरान बाजार स्थित व्यापारियों एवम ग्राहकों में खलबली मची रही।विदित हो कि जय स्तम्भ चौराहे से गांधी चौक तक वाहनों की भारी आवाजाही होती है,इन मार्गो में दिन में कई बार जाम की स्थिति निर्मित होती है,जिससे वाहनों की आवाजाही में काफी परेशानी होती है।इसके अलावा पार्किंग लाइन गांधी चौराहे से रणविजय चौक तक भी करने की जरूरत है,इस मार्ग पर भी वाहनों की भारी आवाजाही होती है,और वाहन अक्सर जाम में फंसते है।यातायात प्रभारी शरद श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस अधीक्षक विकास सहवाल के निर्देशन में यातायात को सुगम बनाने बेहतर प्रयास किये जा रहे है,जल्द ही इसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे।गौरतलब है कि यातायात विभाग में पूर्व में तकरीबन 3 दर्जन पुलिस बल मौजूद रहा, परन्तु अभी हाल में यातायात विभाग में बल की काफी कमी है ।

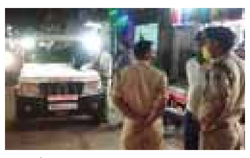

सडकों पर निकले कलेक्टर, एसपी, कहां कानून का उल्लंघन करने वालों को बख्सा नहीं जाऐगा

लॉक डाउन तोडने़ वालों पर होगी एफ आईआर दर्ज : एसपी

नरेंद्र सर्राफ

छतरपुर। शहर में बढ़ रहे कोरोना मरीजों को लेकर कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह व एसपी सचिन शर्मा सख्त दिखाई दिए। शनिवार और रविवार को पूर्ण लॉकडाउन को सफल बनाने के लिए प्रशासन और पुलिस अब सख्ती अख्तियार कर रहे हैं। शनिवार की शाम एक बार फिर शहर की सडकों पर वाहनों के जरिए प्रशासन ने मार्च निकाला। एनाउंसमेंट कर लोगों से घर में रहने की अपील की। एक जिप्सी पर सशस्त्र ब्लैक कमांडो भी मौजूद रहे। शहर के प्रमुख मार्गो पर उक्त फ्लैग मार्च निकाला गया। वहीं कलेक्टर शीलेंद्र सिंह व एसपी सचिन शर्मा ने छात्रसाल चौराहे पर खड़े होकर लॉक डाउन के दौरान घरों से बाहर निकलने वाले लोगों से कोरोना के खतरे के बारे में बताते हुए सख्त लहजे में कहा कि लॉक डाउन का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन आमजनता के भले के लिए ही शक्त है ताकि लोगों को कोरोना वायरस से बचाया जा सके। आमजनता को अगर अपने आपको और अपने परिवार को सुरक्षित रखना है तो लॉक डाउन में बाहर न निकले, आवश्यक कार्य होने पर ही घरों से निकले, घरों से निकलते समय मुंह पर माक्स लगाए। माक्स खुद लगाए और दूसरों को भी माक्स लगाने की समझाइस दें। भीड़भाड़ वाले इलाकों में न जाए। हम सावधान और सर्तक रहेंगे तभी कोरोना को हरा पायेंगे। एसपी सचिन शर्मा ने कहा कि लोगों को कोरोना वायरस से बचाव व जागरूक करने के लिए यातायात प्रभारी नृपेंद्र सिंह के नेतृत्व में जन जागरण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के जरिये चौराहो पर पोस्ट बैनर लगाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। अगर फिर भी लोग बिना माक्स लगाये घरों से निकलते है, लॉक डाउन को तोड़ते है तो उन पर एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। इस दौरान एसडीएम बीबी गंगेले, तहसीलदार संजय शर्मा, नायब तहसीदार अंजू लोधी, नपा सीएमओ अरुण पटैरिया, सीएसपी उमेश शुक्ला, पुलिस लाईन आरआई बृस्पति कुमार, यातायात प्रभारी नृपेंद्र सिंह, सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद्र सिंह दांगी, सिविल लाईन थाना प्रभारी, ओरछा रोड थाना प्रभारी सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

शारदा मंदिर के आगे मनेरी रोड पर गैस से भरा कैप्सूल पलटा,बड़ी घटना होने से बची

नव प्रदेश संवाददाता

जबलपुर। बरेला थाना अंतर्गत शारदा मंदिर तिराहे से लगभग 2 किमी आगे मनेरी रोड पर ग्राम पुरवा में गैस से भरा कैप्सूल जो कि गुना से मनेरी जा रहा था अनियंत्रित होकर रोड किनारे पलट गया, जिससे गैस का रिसाव हो रहा था, 100 डायल मे सूचना मिलने पर तत्काल घटित हुई घटना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक जबलपुर सिध्दार्थ बहुगुणा (भा.पु.से.) के निर्देश पर रात्रि संभागीय गस्त अधिकारी, नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली श्री दीपक मिश्रा, थाना प्रभारी लार्डगंज श्री मधुर पटेरिया, थाना प्रभारी अधारताल श्री शैलेष मिश्रा, थाना प्रभारी गोराबांजार श्री सहदेव साहू, थाना प्रभारी बरेला श्री सुशील चौहान तत्काल मौके पर पहुंचे, मनेरी एवं शहपुरा स्थित गैस प्लांटो मे सूचित करते हुये रेस्क्यू टीम को बुलवाया गया, साथ ही फायर ब्रिगेड को भी खड़ा करवाया गया, पहुंची रेस्क्यू टीम के द्वारा गैस के रिसाव को बंद किया गया, मौके पर उपस्थित उप पुलिस अधीक्षक ट्राफिक श्री मयंक सिंह चैहान एवं श्री मधुकर चैकीकर द्वारा कैपसूल जिसमे लगभग 17 टन गैस भरी हुई है को क्रेन के माध्यम से सीधा करवाया जा रहा है। घटित हुई घटना की जांच की जा रही है।

प्रशिक्षु डीएसपी समेत 37 पुलिस कर्मियों की हुई कोरोना जांच,7 पुलिस कर्मी संस्थागत क्वारेंटीन

नव प्रदेश संवाददाता

उमरिया। उमरिया में आरक्षक के कोविड 19 संक्रमित होने के बाद रविवार की सुबह चंदिया थाने में पदस्त सभी 37 पुलिस कर्मियों की जांच की गई है।इनमें प्रशिक्षु डीएसपी के अलावा 2 एसआई, 4 एएसआई,10 हवलदार,एक महिला आरक्षक सहित 18 आरक्षक शामिल है। सूत्रों की माने तो चंदिया थाने में पदस्त आरक्षक के पॉसिटिव होने के बाद उन आधे दर्जन से अधिक पुलिस कर्मियों को पीटीएस स्थित कोरेंटीन भवन में रखा गया है,जिनका सीधा संपर्क संक्रमित आरक्षक से रहा है,इन पुलिस कर्मियों का भी रविवार की सुबह स्वास्थ्य अमले ने कोरोना टेस्ट किया है।इस आपदा काल के दौरान चंदिया थाने में जिम्मेदार पुलिस कर्मी रोटेशनल ड्यूटी कर रहे है,इस दौरान जरूरत के मुताबिक थाने में बल है,ज्यादा पुलिस कर्मी होम कोरेंटीन है।कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के निर्देश पर आरक्षक के पॉसिटिव रिपोर्ट उपरांत पूरे थाने को सेनिटाइज किया गया है,पूरा पुलिस बल हाई अलर्ट पर है।एसडीओपी केके पांडेय ने बताया कि एहतियातन सम्पर्क पर रहे सभी पुलिस कर्मियों की सैंपलिंग ली गयी है,रिपोर्ट आने पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आवश्यक एहतियात बरता जाएगा।रविवार को 37 पुलिस कर्मियों के अलावा 6 अन्य सम्भावित मरीजों की भी जांच की गई है।फिलहाल जिले में 6 एक्टिव मरीज है,जिन्हें पाली एवम मुख्यालय स्थित कोविड केअर सेंटर में रख इलाज दिया जा रहा है।

डीआईजी पहुंचे इंदवार थाना

शनिवार को डीआईजी पीएस व्हीके इंदवार थाना और अमरपुर चौकी का निरीक्षण किये,इस दौरान उन्होंने वैश्विक महामारी कोरोना से सुरक्षित रह क्षेत्र में अपराधों पर अंकुश लगाने की बात कही है,उन्होंने महिला अपराध और नाबालिकों के अपहरण मामलों पर भी जिम्मेदारी से गम्भीरता बरतने की बात कही है,और कहा है कि लंबित प्रकरणों का जल्द निपटारा करें,सूत्रों की माने तो डीआईजी के इस औचक निरीक्षण में इंदवार थाने के अलावा मानपुर थाने का भी निरीक्षण प्रस्तावित था,परन्तु किन्ही कारणों से मानपुर थाना नही पहुंच पाए।

रोजगार के नाम पर छलावा कर रही ग्लेज ट्रेडिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी कब होगी कार्यवाही

नव प्रदेश संवाददाता

छतरपुर। जिला छतरपुर में कोरोना की इस महामारी में लूटपाट का धंधा जारी है ग्लेज ट्रेडिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा रोजगार दिलाने के नाम पर भोले भाले लोगो को फसाकर लूटपाट कर रही है लोगो को बताया जाता है कि ऑफिस का काम है और 13000 सैलरी मिलेगी लेकिन अभी तक किसी भी लड़के और लड़कियों को कुछ प्राप्त नहीं हुआ लड़कों को झूठ बोलकर फसाया जा रहा है कहते हैं जितना काम करोगे उतना पैसा मिलेगा घर से बुलाते हैं लड़कों को 19500 रुपए जमा करवा लेते हैं और बोलते हैं आपकी आईडी बन जाएगी और कोई लड़का घर आने को बोले तो उसको जबरदस्ती वहां से आने नहीं देते उनको मीठी मीठी बातो मैं फंसा देते हैं ना ठीक से खाना खिलाते हैं ज्यादा कुछ बोलो तो मारने की धमकी देते हैं जो भी लड़के जाते हैं वहां पर उनसे बोलते हैं यहां के बारे में बाहर किसी को कुछ ना बताएं लोग कहते है जब आपकी कंपनी फेक नहीं है तो डरते क्यों हो राजगढ़ जिले से 15 से 30 लोग फसे है व उन लड़कों एवं लड़कियों को नहीं आने दे रहे हैं गरीब लड़कों को पैसों का झांसा देकर फसाकर वही रखा गया लड़कों को झूठ बोलकर बुला लेते हैं जब कोई घर आने की बोलता तो उसको नहीं आने देते सभी कहते है कि क्या करें पैसे तो फंस गए जब पैसे मांगते है तो बोलते हैं पैसे नहीं मिलेंगे 6 महीने हो गए कितने लोगों ने कितने पैसे कमाए किसी ने भी नहीं कमाया सिर्फ गवाया और कहते हैं लेवल बढ़ेगा तो ही पैसे मिलेंगे कहते हैं लड़के बुलाओ लड़के जोड़ो तभी पैसे मिलेंगे ।

कुण्डम में 2 माईक्रो फायनेंस कम्पनी के कार्यालय सील, दस्तावेजों की, की जा रही है जांच

नव प्रदेश संवाददाता

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक जबलपुर सिद्धार्थ बहुगुणा द्वारा भू-माफिया, सूदखोर, चिटफंड कम्पनी के विरूद्ध कार्यवाही के सम्बंध में एक विशेष अभियान चलाया गया है, जिले मे पदस्थ, सभी राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को थाना क्षेत्र में जागरूकता हेतु जन शिकायत निवारण शिविर आयोजित कर जो भी शिकायतें मिलती है, उन पर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही हेतु आदेशित किया गया है। आदेश के परिपालन में शहर एवं देहात थाना क्षेत्रों में पुलिस एवं राजस्व अधिकारियों की उपस्थिति में जन शिकायत निवारण शिविर का आयोजन करते हुये शिकायतों का निवारण किया जा रहा है, इसके साथ ही असामाजिक तत्वों के विरूद्ध की गयी प्रतिबंधात्मक कार्यवाही में अंतिम बाउंड ओवर किया जा रहा है ताकि बंधपत्र का उल्लंघन करने पर 122 जा.फौ. के तहत कार्यवाही करते हुये सम्बंधित को जेल मे निरूद्ध कराया जा सके। उप पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुश्री अपूर्वा किलेदार ने बताया कि आदेश के परिपालन मे कुण्डम स्थित अन्नपूर्णा माईक्रो फायनेंस कम्पनी, आर्शिवाद माईक्रो फायनेंस कम्पनी, श्रीराम फायनेंस कम्पनी, भारत माईक्रो फायनेंस कम्पनी, एवं सहारा फायनेंस के कार्यालय में एसडीएम विमलेश सिंह, तहसीलदार प्रदीप कौरव एवं थाना प्रभारी कुण्डम प्रताप सिंह मरकाम की संयुक्त टीम द्वारा दबिश दी गयी, अन्नपूर्णा एवं आर्शिवाद माइक्रो फायनेंस कम्पनी के कार्यालय खुले हुये थे, कार्यालय में मौजूद कर्मियों को दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु कहा गया, मौके पर प्रस्तुत न कर सकने पर दोनों कार्यालयों को सील किये गये, श्रीराम, भारत माइक्रो, सहारा के कार्यालय बंद होने से जांच नहीं की जा सकी।

राजेंद्रग्राम मत्स्य बीज प्रक्षेत्र का कलेक्टर ने किया अवलोकन

व्यवस्थाओं को देखकर व्यक्त की प्रसन्नता

अब तक 3 करोड़ 27 लाख फ़िश स्पॉन (मत्स्य जीरा) का हो चुका है उत्पादन

नव प्रदेश संवाददाता

अनुपपुर। कलेक्टर चंद्रमोहन ठाकुर ने राजेंद्रग्राम मत्स्य बीज प्रक्षेत्र का अवलोकन किया। इस दौरान सहायक संचालक मत्स्य शिवेंद्र सिंह परिहार द्वारा कलेक्टर श्री ठाकुर को मत्स्य बीज प्रक्षेत्र में की जाने वाली मत्स्य जीरा (फ़िश स्पॉन) उत्पादन सहित सभी विभागीय गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी गयी। श्री परिहार ने बताया कि वर्तमान में प्रतिकूल परिस्थितियों में आवश्यक सुरक्षाओं के साथ मत्स्य जीरा उत्पादन शहडोल संभाग में सिर्फ़ राजेंद्रग्राम मत्स्य बीज प्रक्षेत्र में किया जा रहा है। इस वर्ष अब तक लगभग 3 करोड़ 27 लाख मत्स्य जीरा का उत्पादन प्रक्षेत्र में किया जा चुका है। आपने बताया कि शहडोल संभाग सहित सिंगरौली एवं अन्य निकटवर्ती जि़लों में राजेंद्रग्राम मत्स्य बीज प्रक्षेत्र से मत्स्य बीज की आपूर्ति की जा रही है। इस दौरान कलेक्टर द्वारा मत्स्यपालकों से चर्चा कर मत्स्योत्पादन से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों एवं प्राप्त लाभ के सम्बंध में चर्चा की गयी, जिस पर प्राप्त विश्वसनीय उत्तरों से कलेक्टर बहुत प्रसन्न हुए। आपने राजेंद्रग्राम मत्स्य बीज प्रक्षेत्र में उत्कृष्ट व्यवस्था हेतु सहायक संचालक मत्स्य शिवेंद्र सिंह परिहार, सहायक मत्स्य अधिकारी एस एस मिश्रा की सराहना की। इस दौरान वन मंडलाधिकारी अधर गुप्ता, एसडीएम पुष्पराजगढ़ विजय डहेरिया सहित मत्स्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

एआर रहमान के बाद सिंगर सोना महापात्रा बोलीं–

राम संपत को भी इस गैंग ने किया टारगेट

हाल में भारत के सबसे बड़े म्यूजिक डायरेक्टर एआर रहमान ने यह कहकर सनसनी मचा दी कि एक बॉलिवुड में एक गैंग उनके खिलाफकाम कर रहा है जिसके कारण उन्हें बहुत कम हिंदी फिल्में मिल रही हैं। अब हमेशा अपने बेबाक बयानों के कारण चर्चा में रहने वाली सिंगर सोना महापात्रा ने कहा कि उनके पति और म्यूजिक कंपोजर राम संपत को भी ऐसे ही गैंग के निशाने पर रहे हैं।

सोना महापात्रा ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'यह अनपढ़ खुदगर्ज गैंग किसी भी असली, बेहतरीन, सम्मानजनक, टैलेंटेड और क्रिएटिव व्यक्ति के खिलाफ काम करता है। 3 साल पहले राम संपत को ऐसी ही बुरी परिस्थितियों में देखकर दिल टूट गया था फाइनली इस जहरीले से बाहर निकलना पड़ा। उनकी आखिरी फिल्म रईस थी जिसके बाद उन्हें रिकवर होने में 2 साल लग गए। इसके बाद सोना महापात्रा ने एक अन्य ट्वीट में आगे लिखा, 'हमें इससे बाहर निकलना चाहिए। राम ने अपने डिप्रेशन और गहरी निराशा से निपटने के लिए अपनी जिंदगी और फोन में ऐसे बहुत से बुलीज को ब्लॉक किया है। मार्शल आर्ट सीखा, हमारे स्टूडियों में क्लासिकल और स्रश्वद्यद्य म्यूजिशंस के साथ काम किया, म्यूजिक से मन बहलाया और स्क्रिप्ट लिखीं।

बता दें कि राम संपत ने खाकी, तलाश, डेल्ही बेली, फुक्रे और भूतनाथ रिटर्न्स जैसी कई सफल फिल्मों में म्यूजिक दिया है। उनकी आखिरी फिल्म शाहरुख खान की 'रईस' थी जिसमें उन्होंने 2017 में म्यूजिक दिया था।

ट्विटर छोड़कर खुश हैं सोनाक्षी

नयी दिल्ली । बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा का कहना है कि वह ट्विटर छोड़ कर खुशहाल इंसान बन गयी हैं। सोनाक्षी ने अपने ट्विटर अकाउंट को निष्क्रिय कर दिया है। सोनाक्षी ने कहा ,÷मैं कोई भी मार्गदर्शक नहीं हूं लेकिन मैं व्यक्तिगत अनुभव से बोल सकती हूं। मैं इतने लंबे समय तक सोशल मीडिया पर रही। मैंने इसे राक्षस बनते देखा है। मैं हमेशा एक बहुत ही सकारात्मक व्यक्ति रही हूं लेकिन फिर भी आप कभी नहीं जानते कि कोई चीज आपको कैसे प्रभावित कर सकती है। आप सुबह उठते हैं, अपना हैंडल खोलते हैं और नकारात्मक टिप्पणी पढ़ते हैं। उस क्षण आप इसे दूर नहीं रख सकते हैं। अभिनेत्री ने कहा, आप कभी नहीं जानते कि सोशल मीडिया आपको कैसे प्रभावित करता हैं और यह आपके जीवन में एक बहुत ही नकारात्मक पहलू है। इसलिए मेरे लिए, इससे दूर रहने का सबसे अच्छा तरीका उस पर नहीं होना है। जब से मैंने ट्विटर छोड़ा है, मैं खुश हूं। मुझे लगता है कि सकारात्मकता के लिए प्रयास करना बहुत महत्वपूर्ण है, खासकर इस तरह के समय में।

टीशर्ट उतारने पर सोनू सूद को मिला था पहला ब्रेक

नयी दिल्ली । बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद का कहना है कि उन्हें अपना पहला ब्रेक तमिल फिल्म के लिये मिला था, जो उन्हें टीशर्ट उतारने के बाद फिजिक दिखाने पर मिला था। सोनू सूद ने अपने सिने करियर की शुरूआत दक्षिण भारतीय फिल्मों से की थी। सोनू सूद ने बताया है कि किस तरह साउथ फिल्म में पहला ब्रेक मिला था। सोनू ने कहा, ÷मेरा पहला ब्रेक तमिल फिल्म में रहा। मुझे याद है कि कारगो पैंट और टीशर्ट पहनकर मैं प्रोड्यूसर से मिलने पहुंचा था। उसने कहा कि मैं मेकअप रूम में जाकर इंतजार करूं। सोनू सूद ने कहा ,÷बाद में फिल्म निर्माता ,डायरेक्टर के साथ वापस आया। मुझसे टीशर्ट उतारने को कहा। मैंने जब टीशर्ट उतारी तो उसने कहा, फिजीक अच्छी है। तुम्हें फिल्म में काम मिल रहा है तो इस तरह मुझे मेरा पहला रोल मिला था।

बॉलीवुड में खास 'गैंग' मेरे खिलाफ फैला रहा अफवाह

मुंबई । आस्कर विजेता संगीतकार ए.आर रहमान का कहना है कि बॉलीवुड में एक ऐसा 'गैंग' है जिसके कारण उन्हें काम मिलने में अड़चन आ रही है। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद से बॉलीवुड में 'इनसाइडर और आउटसाइडर' को लेकर बहस छिड़ी है। इस बीच संगीतकार रहमान ने कहा कि कुछ लोग उनके बारे में बॉलीवुड में 'अफवाह' फैला रहे हैं जिससे उनके और फिल्म निर्माताओं के बीच 'गलतफहमी' पैदा हो रही है। रहमान ने कहा, ÷मैं अच्छी फिल्मों को मना नहीं करता हूं लेकिन मेरा मानना है कि एक गैंग है जो कुछ अफवाह फैला रहा है और गलतफहमी पैदा हो रही है। लोग मुझे काम करते

देखना चाहते हैं, लेकिन लोगों का एक ऐसा भी गैंग है जो ऐसा होने नहीं दे रहा है। खैर मेरा विश्वास भाग्य में है। मेरा मानना है कि सब कुछ ऊपर वाले के जरिए आता है। इसलिए मैं अपनी फिल्में और दूसरे काम कर रहा हूं, लेकिन आप सभी मेरे पास आ सकते हैं, आप अच्छी फिल्में बना रहे हैं और आपका मेरे यहां स्वागत है। रहमान ने सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी फिल्म 'दिल बेचारा' के लिए संगीत दिया है जो शुक्रवार को डिज्नी हॉटस्टार पर रिलीज हो गयी है।

सुशांत सिंह राजपूत की 'दिल बेचारा' हिट, अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग

दुनिया को अलविदा कह चुके बॉलिवुड ऐक्टर सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी फिल्म 'दिल बेचारा' ऑनलाइन रिलीज कर दी गई है। सुशांत की इस आखिरी फिल्म का फैन्स बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। फिल्म को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लैटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज किया है और इसे सभी के लिए बिल्कुल मुफ्त रखा गया है। ओटीटी प्लैटफॉर्म ने बताया है कि इस फिल्म की ओपनिंग अब तक की सबसे अच्छी ओपनिंग रही है।

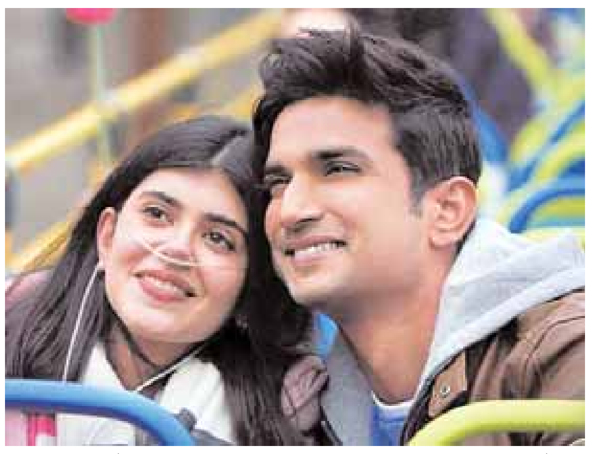

सुशांत के फैन्स ने पहले ही इस फिल्म को काफी पसंद किया है और इसका सबूत है कि 'दिल बेचारा' को ढ्ढरूष्ठढ्ढ पर 9.6 की रेटिंग मिली है जो अभी तक किसी भारतीय फिल्म को मिली सबसे ज्यादा रेटिंग है। फिल्म के रिलीज होने के कुछ घंटों तक तो यह रेटिंग पूरी 10/10 आ रही थी जो अपने आप में रेकॉर्ड है। फिल्म के रिलीज करने वाले ओटीटी प्लैटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने भी इसे सबसे बड़ी ओपनिंग बताया है।

ओटीटी प्लैटफॉर्म ने अपने ऑफिशल ट्विटर हैंडल पर ट्वीट करते हुए बताया, 'एक फिल्म जो हमेशा बॉलिवुड फैन्स के दिल की गहराइयों में रहेगी। आपके प्यार ने 'दिल बेचारा' को अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली फिल्म बना दिया है।' हालांकि अभी तक इसके आंकड़े ओटीटी प्लैटफॉर्म ने नहीं जारी किए हैं लेकिन यह ऑनलाइन स्ट्रीमिंग के टर्म्स में 'दिल बेचारा' का पहले दिन का कलेक्शन होगा।

बता दें कि सुशांत की इस आखिरी फिल्म को लेकर फैन्स काफी इमोशनल भी हो गए थे और 'दिल बेचारा' लगातार सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा था। फिल्म को अच्छे रिव्यूज मिले हैं। सुशांत के ऑपोजिट संजना सांघी ने इस फिल्म से डेब्यू किया है। 'दिल बेचारा' का डायरेक्शन मुकेश छाबड़ा ने किया है और इसे डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर मुफ्त में ऑनलाइन देखा जा सकता है।

आईसीसी चेयरमैन पद के लिए किया गांगुली सही दावेदार : कुमार संगकारा

नई दिल्ली ए.। श्रीलंका के दिग्गज क्रिकेटर कुमार संगकारा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन पद के लिए सौरव गांगुली का समर्थन किया है। संगकारा ने तारीफ करते हुए कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष का कुशाग्र क्रिकेट दिमाग और प्रशासक के रूप में अनुभव उन्हें इस भूमिका के लिए काफी उपयुक्त दावेदार बनाता है। संगकारा ने स्वीकार किया कि वह गांगुली के बड़े समर्थक हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व भारतीय कप्तान की अंतरराष्ट्रीय मानसिकता है जो महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए पक्षपात रहित रहने के लिए जरूरी है।

मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के वर्तमान अध्यक्ष संगकारा ने 'इंडिया टुडे' से कहा, ''मुझे लगता है कि सौरव गांगुली बदलाव ला सकते हैं। दादा (गांगुली) का बड़ा प्रशंसक हूं, सिर्फक्रिकेटर के रूप में उनके दर्जे के कारण नहीं बल्कि मुझे लगता है कि उनके पास कुशाग्र क्रिकेट दिमाग है।''

उन्होंने कहा, ''वह दिल से क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ हित के बारे में सोचते हैं और जब आप आईसीसी में हो तो यह सिर्फ इसलिए नहीं बदलना चाहिए कि आप बीसीसीआई अध्यक्ष हो या इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के या श्रीलंका क्रिकेट या किसी अन्य बोर्ड के।'' संगकारा ने कहा, ''आपकी मानसिकता अंतरराष्ट्रीय होनी चाहिए और आप जहां से आए तो वहां को लेकर भेदभाव नहीं होना चाहिए, जैसे कि मैं भारतीय, श्रीलंकाई, आस्ट्रेलियाई या इंग्लैंड का हूं। उसे समझना चाहिए कि मैं क्रिकेटर हूं और वही कर रहा हूं जो क्रिकेट खेलने वाले सभी देशों के लिए सर्वश्रेष्ठ है।''

श्रीलंका के पूर्व कप्तान ने कहा कि गांगुली में रिश्ते बनाने की क्षमता है जो क्रिकेट की संचालन संस्था में प्रभावी पद के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''बीसीसीआई अध्यक्ष बनने से पहले भी मैंने उनका काम देखा है, प्रशासन और कोचिंग से भी पहले, उसने किस तरह दुनिया भर के खिलाड़ियों से रिश्ते बनाए, एमसीसी क्रिकेट समिति में उसका कार्यकाल।

बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष शशांक मनोहर ने इस महीने की शुरुआत में आईसीसी के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया। चुनाव होने तक हांगकांग के इमरान ख्वाजा को अंतरिम चेयरमैन बनाया गया है। संगकारा एकमात्र पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तान नहीं हैं, जिन्होंने गांगुली का समर्थन किया है।

क्रिकेट बहाली में मदद के लिए इंग्लैंड दौरे पर जाने का फैसला किया: पीसीबी

कराची ए.। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि 10 खिलाड़ियों के कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए जाने के बाद बोर्ड पर काफी दबाव था। क्या वह इंग्लैंड दौरे पर अपनी टीम भेजे या नहीं? लेकिन महामारी के बीच खेल की बहाली सुनिश्चित करने के लिए पीसीबी ने दौरे पर टीम भेजने का फैसला किया। पिछले महीने 10 खिलाड़ियों को इंग्लैंड दौरे की टीम से बाहर कर दिया गया था कि वे कोरोना वायरस परीक्षण में पॉजिटिव पाए गए थे। शादाब खान, हारिस राऊफ, हैदर अली, फखर जमां, मोहम्मद रिजवान, वहाब रियाज, इमरान खान, मोहम्मद हफीज, मोहम्मद हसनैन और काशिफ भट्टी उन खिलाड़ियों में शामिल थे, जो पहले दौर में पॉजिटिव पाए गए थे। पाकिस्तान पांच अगस्त से इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों सीरीज खेलेगा जिसके बाद तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेली जाएगी। हमने दौरे पर जाने की अपनी योजना पर कायम रहने का फैसला किया क्योंकि हमने शुरुआत में टीम को भेजने का फैसला इसलिए किया था क्योंकि हम विश्व क्रिकेट को बहाल करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहते थे।

चार-पांच महीने के बाद वापसी कर प्रदर्शन करना मुश्किल होगा: पूनम

नई दिल्ली ए.। इंग्लैंड दौरे के रद्द होने के कारण अभ्यास से वंचित रहने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्पिनर पूनम यादव ने कहा कि कोरोना वायरस के कारण लंबे समय से क्रिकेट से दूर रहने के कारण विश्व कप में खेलना काफी मुश्किल होगा। विश्व कप से पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम के पास बड़े टूर्नामेंट के रूप में सिर्फ इंग्लैंड दौरा था, लेकिन कोविड-19 के कारण इस सप्ताह उसे रद्द कर दिया गया।

पूनम ने कहा, '' अगर आप चार-पांच महीने के बाद मैदान पर उतरते हैं, तो किसी भी खिलाड़ी के लिए तुरंत प्रदर्शन करना बहुत मुश्किल होगा।'' उन्होंने कहा, '' हम खुद को फिट रख रहे हैं और जब हमें समूह में फिर से अभ्यास करने की अनुमति मिलेगी , तब हमें पूरी फिटनेस हासिल करने में 20-25 दिन लगेंगे। पूनम ने मार्च में मेलबर्न क्रिकेट मैदान में टी20 विश्व कप का फाइनल खेलने के बाद पूरी तरह से क्रिकेट की सुविधा वाला मैदान नहीं देखा है। अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले प्रस्तावित इकलौता टूर्नामेंट के रद्द होने से इस बात की संभावना है कि वह इस साल अब कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेल सकें। न्यूजीलैंड में 2021 फरवरी-मार्च में होने वाले विश्व कप के भाग्य का फैसला अगले दो सप्ताह के अंदर हो सकता है। पिछले विश्व कप की उपविजेता भारतीय टीम को उम्मीद है कि वह न्यूजीलैंड में खिताबी सूखे को खत्म कर सकेगी । विश्व कप से पहले किसी टूर्नामेंट में भाग नहीं लेने से हालांकि यह काफी मुश्किल होगा। भारत की तरफ से 46 वनडे और 67 टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाली पूनम ने कहा, ''यह एक बड़ी चुनौती है। मैं यहां गेंदबाजी कर रही हूं, लेकिन यह प्रतिस्पर्धी माहौल से बिल्कुल अलग है। हम आखिरी बार मार्च में खेले थे और हमारी अगली सीरीज को लेकर अभी स्पष्टता नहीं हैं।

कोविड-19 के कारण देश में लागू लॉकडाउन के बीच पूनम को परिवार के साथ समय बिताने के अलावा अपने मन का काम करने का पूरा मौका मिला। उन्होंने ने बताया, '' इस समय में मैंने ऐसे कई कम किए जिसके लिए पहले समय नहीं मिल पाता था। परिवार के साथ समय बिताना, टेलीविजन देखना (महाभारत और रामायण)। मैं अब खाना बना सकती हूं। टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाली पूनम से जब बड़े मैचों में भारतीय टीम के लचर प्रदर्शन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''बड़े मैचों में दवाब को बेहतर तरीके से झेलना होता हैं और ऑस्ट्रेलिया (टी20 विश्व कप) ने हम से बेहतर किया।

कोरोना काल में देश का मूड बदलेगा आईपीएल 2020 का आयोजन: गौतम गंभीर

नई दिल्ली ए.। पूर्व भारतीय ओपनिंग बल्लेबाज गौतम गंभीर को यकीन है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2020) का 13वां सीजन अबतक का सबसे बड़ा सीजन होगा। गंभीर का यह विश्वास आईपीएल चैयरमेन बृजेश पटेल के बयान के बाद और भी पक्का हो गया। आईपीएल चैयरमेन ने पुष्टि की है कि इस बार आईपीएल का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होगा। भारत एक गंभीर महामारी (कोरोना वायरस) से जूझ रहा है। ऐसे में पूर्व भारतीय बल्लेबाजी को लगता है कि इस बार का आईपीएल देश का मूड बदलने वाला होगा।

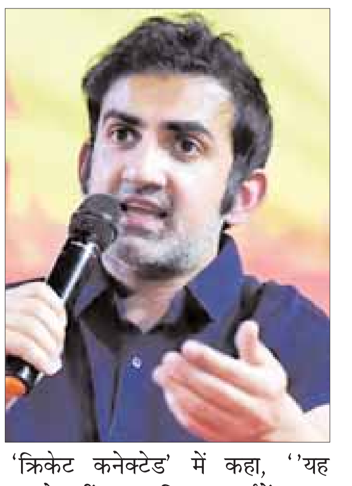

गौतम गंभीर ने स्टार स्पोट्स के शो 'क्रिकेट कनेक्टेड' में कहा, ''यह मायने नहीं रखता कि यह टूर्नामेंट कहा खेला जा रहा है। लेकिन अगर आईपीएल यूएई में खेला जा रहा है तो क्रिकेट के किसी फॉर्मेट के लिए यह शानदार वेन्यू है। साथ ही यह देश का मूड भी बदलेगा।''

आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को दो खिताब जिताने वाले पूर्व कप्तान का कहना है कि इस साल का आईपीएल पूरे देश का होने वाला है। आईसीसी के अधिकारिक रूप से टी-20 वर्ल्ड कप 2020 के स्थगित होने का ऐलान करने के बाद बीसीसीआई आईपीएल की योजना बनाते हुए आगे बढ़ा है। आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2020 का आयोजन 18 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच ऑस्ट्रेलिया में खेला जाना था।

कोरना वायपस महामारी की वजह से 29 मार्च से शुरू होने वाले आईपीए 2020 को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। अब इस टूर्नामेंट का आयोजन 19 सितंबर से 8 नवंबर के बीच यूएई में होगा। हालांकि फाइनल डिटेल और मैच के फिक्स्चर का फैसला अगले हफ्ते होने वाली गवर्निंग काउंसिल की मीटिंग में लिया जाएगा।

गौतम गंभीर ने कहा, ÷यह इस बारे में नहीं है कि कौन सी फ्रेंचाइजी जीतती है या कौन सा खिलाड़ी स्कोर करता है या कौन सा खिलाड़ी विकेट लेता है। यह बस देश का मूड बदलने के लिए है। इसलिए यह आईपीएल पिछले सभी आईपीएल सीजन से बड़ा होने वाला है। मेरे ख्याल से यह आईपीएल देश के लिए है।

स्टोक्स से भारत में किसी की तुलना नहीं की जा सकती

नयी दिल्ली । भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने दुनिया के नंबर एक आलराउंडर इंग्लैंड के बेन स्टोक्स की प्रशंसा करते हुये कहा है कि वर्तमान समय में उनसे भारत में किसी भी क्रिकेट खिलाड़ी की तुलना नहीं की जा सकती। गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट कनेक्टेड पर स्टोक्स की तारीफकरते हुये कहा, आप वर्तमान में स्टोक्स के साथ भारत में किसी की तुलना नहीं कर सकते। बिलकुल नहीं, क्योंकि स्टोक्स का अपना अलग स्तर है। उन्होंने टेस्ट, वनडे और टी-20 क्रिकेट में जो किया है, मुझे नहीं लगता कि किसी और ने ऐसा किया है। भारत को छोड़ दें, वर्तमान में विश्व क्रिकेट में भी कोई ऐसा खिलाड़ी नहीं है जो उनके आसपास भी हो। उन्होंने कहा, प्रत्येक कप्तान का यह सपना होता है कि स्टोक्स जैसा खिलाड़ी उसकी टीम में हो, चाहे बल्लेबाजी हो, गेंदबाजी हो या फिल्डिंग, वह (स्टोक्स) हर क्षेत्र में लीडर हैं। आपको वास्तव में एक लीडर होने के लिए एक लीडर बुलाये जाने की जरूरत नहीं है। आपको कप्तान होने के लिए कप्तान कहलाये जाने की जरूरत नहीं है। आप अपने प्रदर्शन से भी एक लीडर बन सकते हैं। मेरा मानना है कि ऐसे बहुत से खिलाड़ी रहे होंगे जो स्टोक्स जैसा बनना चाहते होंगे लेकिन दुर्भाग्यवश विश्व क्रिकेट में उनके जैसा इस समय कोई नहीं है।

एक साल में 100 रु. महँगा हुआ सब्सिडी वाला एलपीजी सिलिंडर

नयी दिल्ली । रसोई गैस सिलिंडर पर सब्सिडी में पिछले एक साल में लगातार कटौती किये जाने से इस दौरान सब्सिडी वाला सिलिंडर 100 रुपये महँगा हो गया है और अब सब्सिडी शून्य हो गई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पिछले साल जुलाई में 14.2 किलोग्राम वाले रसोई गैस सिलिंडर का बाजार मूल्य यानी बिना सब्सिडी वाले सिलिंडर की कीमत 637 रुपये थी जो अब घटकर 594 रुपये रह गई है। इसके बावजूद इस दौरान सब्सिडी वाला सिलिंडर 100 रुपये महँगा हुआ और इसकी कीमत 494.35 रुपये से बढ़कर 594 रुपये हो गई।

सरकार द्वारा सब्सिडी में लगातार की गई कटौती से इस साल मई से ही सब्सिडी और बिना सब्सिडी वाले रसोई गैस सिलिंडर की कीमत एक हो गई है। इस साल मई, जून और जुलाई में ग्राहकों को कोई सब्सिडी नहीं मिली है। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में ही ऐसी खबरें आई थीं कि सरकार की योजना धीरे-धीरे रसोई गैस सिलिंडर पर सब्सिडी समाप्त करने की है, लेकिन इस संबंध में पूछे जाने पर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेंद्र प्रधान हर बार इस बात से इनकार करते रहे। दूसरी तरफसरकार ने पिछले एक साल में सब्सिडी में लगातार कटौती की। जुलाई 2019 में सब्सिडी वाला रसोई गैस सिलिंडर 494.35 रुपये का और सब्सिडी वाला सिलिंडर 637 रुपये का था। अक्टूबर 2019 में सब्सिडी वाला 517.95 रुपये का और बिना सब्सिडी वाला 605 रुपये का हो गया। इस साल जनवरी में सब्सिडी वाले सिलिंडर की कीमत बढ़कर 535.14 रुपये और बिना सब्सिडी वाले सिलिंडर की कीमत 714 रुपये हो गई। अप्रैल में सब्सिडी वाले सिलिंडर का मूल्य 581.57 रुपये और बिना सब्सिडी वाले का मूल्य 744 रुपये हो गया।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में अप्रैल में एलपीजी की कीमतों में भारी गिरावट के बाद मई में घरेलू सिलिंडर का बाजार मूल्य 162.50 रुपये घटाकर 581.50 रुपये कर दिया गया जिससे सब्सिडी और बिना सब्सिडी वाले सिलिंडर की कीमत एक हो गई। जून और जुलाई में बिना सब्सिडी वाले सिलिंडर के साथ सब्सिडी वाले सिलिंडर की कीमत में भी समान वृद्धि की गई है।

देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने अपनी वेबसाइट पर सब्सिडी वाले सिलिंडर की कीमत के बारे में जानकारी देनी बंद कर दी है। एक साल पहले तक उसकी वेबसाइट पर इसकी जानकारी उपलब्ध होती थी।

सब्सिडी वाले सिलिंडर की कीमतों में पिछले साल जनवरी से

सोने की कीमत बढ़ने से निवेशक खुश, गहनों की बिक्री में भारी गिरावट

एजेंसी,मुंबई । आभूषण उद्योग का मानना है कि अर्थव्यवस्था में सुस्ती के बीच सोने की कीमतों में तेजी से पीली धातु की उपभोक्ता मांग घट सकती है। कोविड-19 महामारी की वजह से पैदा हुई अनिश्चितता के चलते भारत और वैश्विक सर्राफा बाजारों में सोना नित नई ऊंचाई पर पहुंच रहा है। इसकी वजह है कि संकट के इस समय निवेश के सुरक्षित विकल्प के रूप में सोने का आकर्षण बढ़ा है। शुक्रवार को मुंबई में सोना 50,919 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था, जबकि राष्ट्रीय राजधानी में यह 51,946 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। अखिल भारतीय रत्न और आभूषण घरेलू परिषद (एआईजीजेडीसी) के चेयरमैन अनंत पद्मनाभन ने कहा कि मांग पहले से सुस्त है। अर्थव्यवस्था में सुस्ती, रोजगार को लेकर अनिश्चितता, सामाजिक दूरी और कोविड-19 की वजह से लागू लॉकडाउन की वजह से सामान्य दिनों के मुकाबले सिर्फ20 से 25 प्रतिशत कारोबार हो रहा है।

■ न्यूज गैलरी

दिल्ली में पेट्रोल 82 रुपये के करीब, मुंबई में 80 के पार

नयी दिल्ली । डीजल की कीमत रविवार को लगातार दूसरे दिन बढ़ते हुए दिल्ली में 82 रुपये प्रति लीटर के करीब पहुँच गयी जबकि मुंबई में यह 80 रुपये प्रति लीटर के पार पहुँच गयी। पेट्रोल के दाम लगातार 27वें दिन स्थिर रहे। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज डीजल की कीमत 15 पैसे बढ़कर 81.94 रुपये प्रति लीटर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गई। मुंबई में यह 14 पैसे महँगा होकर 80.11 रुपये प्रति लीटर बिका। कोलकाता और चेन्नई में डीजल का मूल्य 13-13 पैसे की वृद्धि के साथ क्रमशः 77.04 रुपये और 78.86 रुपये प्रति लीटर पर रहा जो अक्टूबर 2018 के बाद का उच्चतम स्तर है। दिल्ली में पेट्रोल का मूल्य 80.43 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा जो 27 अक्टूबर 2018 के बाद का उच्चतम स्तर है। कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में भी पेट्रोल की कीमत क्रमशः 82.10 रुपये, 87.19 रुपये और 83.63 रुपये प्रति लीटर पर टिकी रही।

विदेशी मुद्रा भंडार नये रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 1.27 अरब डॉलर बढ़कर 517.63 अरब डॉलर के नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया। विदेशी मुद्रा का देश का भंडार लगातार चौथे सप्ताह बढ़ा है। इससे पहले 10 जुलाई को समाप्त सप्ताह में यह 3.11 अरब डॉलर बढ़कर 516.36 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक द्वारा जारी आँकड़ों के अनुसार 17 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में 1.24 अरब डॉलर की वृद्धि हुई और सप्ताहांत पर यह 476.88 अरब डॉलर पर रहा। इस दौरान स्वर्ण भंडार भी 1.30 करोड़ डॉलर बढ़कर 34.74 अरब डॉलर हो गया।

ऊषा इंटरनेशनल ने किसानों के लिये शुरू किया रेडियो कैम्पेन

नयी दिल्ली । देश की एक अग्रणी कंज्यूमर ड्यूरेबल कंपनी ऊषा इंटरनेशनल ने कृषि स्प्रेयर्स की अपनी स्प्रेमैक्स रेंज से किसानों को परिचित कराने के लिये एक रेडियो कैम्पेन लॉन्च किया है जिसका प्रसारण इस महीने के अंत में होगा। इस रेडियो कैम्पेन को विभिन्न राज्यों जैसे कि जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तमिलनाडु में कई कृषि एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों में चलाया जा रहा है। अच्छा मानसून हमेशा काम आता है, लेकिन साथ ही अन्य पहलूओं पर भी ध्यान दिया जाना चाहिये, जिनमें से एक है विभिन्न प्रकार के संक्रमण और क्षति, और अच्छी फसल के लिये जिनकी रोकथाम होनी चाहिये।

घरेलू, निर्यात बाजार में सुधर रही दुपहिया वाहनों की बिक्री : बजाज ऑटो

नयी दिल्ली ए.। बजाज ऑटो की दुपहिया वाहन बिक्री में घरेलू के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सुधार आ रहा है। हालांकि, तिपहिया बाजार में अभी कंपनी को अड़चनों का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) सोमेन रे ने यह जानकारी दी है। कंपनी ने हालांकि, कहा कि अगले माह के अंत तक इस बारे में सही तस्वीर सामने आएगी कि जो अब आ रही है, यह पिछले महीनों की दबी मांग है या वास्तव में उद्योग पुनरोद्धार की राह पर है। रे ने पीटीआई-भाषा से कहा, हम माह-दर-माह आधार पर बिक्री में सुधार देख रहे हैं। अप्रैल में कोई वाहन नहीं बिका। मई में भी बड़ी गिरावट आई। जून की स्थिति मई से बेहतर रही। अब जुलाई की स्थिति जून से कहीं बेहतर दिख रही है।'' उन्होंने कहा कि मांग परिदृश्य में काफी तेजी से सुधार हो रहा है। यह पिछली महीनों की दबी मांग भी हो सकती है। इसकी सही तस्वीर अगस्त में सामने आएगी। अप्रैल-जून तिमाही में घरेलू बाजार में कंपनी की वाहन बिक्री 69.55 प्रतिशत घटकर 1,85,981 इकाई रह गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 6,10,936 इकाई रही थी। हालांकि, रे ने कहा कि घरेलू तिपहिया बाजार के पुनरोद्धार में अभी समय लगेगा। उन्होंने कहा, इस तरह के ज्यादातर वाहन ऋण लेकर खरीदे जाते हैं। ऐसे में जब काम नहीं है, तो कोई क्यों मासिक किस्त या ईएमआई शुरू करना चाहेगा।'' उन्होंने कहा कि लॉकडाउन समाप्त होने के बाद ही यात्री तिपहिया बाजार में सुधार आएगा। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी की वाणिज्यिक वाहन (तिपहिया) बिक्री 93.87 प्रतिशत घटकर 5,282 इकाई रह गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 86,217 इकाई थी। यह पूछे जाने पर कि कंपनी त्योहारी मौसम में बिक्री में सुधार की उम्मीद कर रही है।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 403 परियोजनाओं की लागत 4.05 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

नई दिल्ली ए.। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 403 परियोजनाओं की लागत में तय अनुमान से 4.05 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि हुई है। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी मिली है। देरी और अन्य कारणों की वजह से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक लागत वाली बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय ने कहा कि इस तरह की 1,686 परियोजनाओं में से 530 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं, जबकि 403 परियोजनाओं की लागत बढ़ी है।

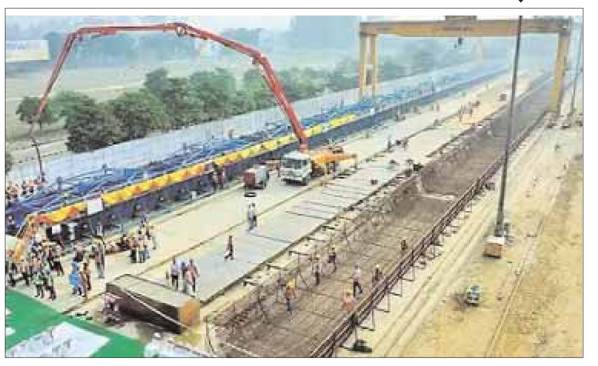

मंत्रालय ने मार्च-2020 की रिपोर्ट में कहा गया है, ''इन 1,686 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 20,66,771.94 करोड़ रुपए थी, जिसके बढ़कर 24,71,947.66 करोड़ रुपए पर पहुंच जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इनकी लागत मूल लागत की तुलना में 19.60 प्रतिशत यानी 4,05,175.72 करोड़ रुपए बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2020, तक इन परियोजनाओं पर 11,20,696.16 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 45.34 प्रतिशत है। हालांकि, मंत्रालय का कहना है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें, तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 452 पर आ जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि देरी से चल रही 530 परियोजनाओं में 155 एक से 12 महीने, 114 परियोजनाएं 13 से 24 महीने, 148 परियोजनाएं 25 से 60 महीने और 113 परियोजनाएं 61 महीने या अधिक की देरी में चल रही हैं। इन 552 परियोजनाओं की देरी का औसत 41.16 महीने है। इन परियोजनाओं में देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण व वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख हैं।

इनके अलावा परियोजना का

प्रथम पृष्ठ का शेष

कोविड के प्रति जागरूकता के

जागरूकता के प्रयास करें। कोरोना संक्रमण रोकने के लिए मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग सहित सभी सुरक्षात्मक उपायों को अपनाने की समझाइश दें। चौहान ने कहा कि समाज के सहयोग से ही हम कोविड से जंग जीत सकेंगे। मुख्यमंत्री चौहान ने रविवार को अपने उपचार के दौरान अस्पताल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में कोरोना की स्थिति और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। वीडियों कान्फ्रेंसिंग से गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री प्रभुराम चौधरी, चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव श्री मोहम्मद सुलेमान, प्रमुख सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला भी जुड़े।मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिये ड़कि होम क्वारेंटाईन किए गए व्यक्तियों की ऑलओवर रिपोर्ट भी लें। कोविड की गाइड लाइन्स का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करवायें। उन्होंने सभी मंत्रियों से भी कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में कोरोना संक्रमण के प्रति सजगता लाने के लिये समाज को जोड़ें। उन्होंने कहा कि जरूरत के समय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आदि के माध्यम से भी कोरोना नियंत्रण के संबंध में मंत्रीगण अपने क्षेत्र की समस्या से अधिकारियों को अवगत करवा कर उसका निराकरण कराएं।

भोपाल में कोरोना का

हैं। इधर, शहर के सबसे बड़े हॉट स्पॉट जहांगीराबाद में 9 लोगों में कोरोना संक्रमण मिलने की पुष्टि हुई, जबकि बैरसिया के तहसील कार्यालय में 6 और लोग कोरोना पॉजिटिव हो गए। कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री जीतू पटवारी के निजी सचिव शिवेंद्र सिंह कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। उन्हें करीब 5 दिन से हल्का बुखार आ रहा था। उन्होंने पहले जेपी हॉस्पिटल में चेकअप करवाया था, लेकिन बुखार ठीक नहीं होने पर निजी डॉक्टर से इलाज कराया। उनका बुखार तो उतर गया था, लेकिन रविवार को उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटव आ गई। शिवेंद्र के ढाई साल के बेटे को भी कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। उन्हें पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया है। शिवेंद्र करीब 10 दिन पहले पटवारी से मिले थे। शिवेंद्र ने बताया कि वे परिवार के साथ एमएलए रेस्ट हाउस में रहते हैं। पांच दिन से बुखार आ रहा था। जेपी हॉस्पिटल में दो-तीन दिखाने के बाद भी कुछ आराम नहीं मिला तो एक निजी डॉक्टर को दिखाया था। बुखार उतर चुका है। मेरे बेटे की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है।

पूर्व मंत्री पीसी शर्मा का

21 जुलाई को राज्यपाल लालजी टंडन का लंबी बीमारी के बाद लखनऊ में निधन हो गया था। टंडन को 11 जून को सांस लेने में तकलीफ और बुखार के चलते लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। टंडन का कोरोना टेस्ट निगेटिव आया था। लीवर में दिक्कत होने की वजह से 14 जून को इमरजेंसी ऑपरेशन किया गया था। टंडन की हालत में सुधार न होता देख केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बाई पटेल को मध्यप्रदेश का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा था। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह और अरविंद भदौरिया इस समय कोरोना संक्रमण के चलते अस्पताल में भर्ती हैं। दोनों दलों के छह विधायक भी संक्रमित हो चुके हैं।

मास्क उतारने का मन...

नहीं है। मास्क पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कभी-कभी हमें मास्क से तकलीफ होती है, मन करता है कि चेहरे पर से मास्क हटा दें। बातचीत करते वक्त लोग मास्क हटा देते हैं, मतलब जब मास्क की सबसे ज्यादा जरूरत है उस वक्त ही उसे हटा देते हैं। मोदी ने आगे कहा कि ऐसे वक्त में मैं आप से आग्रह करता हूं कि जब भी आपको मास्क से परेशीन लगे, मन करे उसे उतार दें तो पल भर के लिए उन डॉक्टर्स के बारे में सोचिए। उन नर्सों का सोचिए जो कोरोना वॉरियर्स हैं।

गंगा नदी का नाम...

के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की सरकार ने हरकी पैड़ी पर प्रवाहित हो रही गंगा का नाम बदलकर स्कैप चैनल करने का एक शासनादेश कर दिया था। जिसके खिलाफ अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा ने अपने अधिवेशन में इस शासनादेश को निरस्त करने का प्रस्ताव वर्ष 2016 में पारित किया था।

कोरोना वैक्सीन के तीसरे...

जो ऑब्जर्वर-ब्लाइंड होगा यानी जिस पर परीक्षण हो रहा है और जो कर रहा है, दोनों को नहीं पता होगा कि क्या दवा दी जा रही है। कंपनी ने कहा कि अध्ययन में 18 साल से अधिक उम्र के करीब 1600 प्रतिभागियों को शामिल किया जाएगा।

बैंकिंग सेवाओं पर साइबर खतरा हाई रिस्क जोन में

नई दिल्ली ए.। कोरोना काल में बैंकिंग क्षेत्र के अंदर साइबर खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। रिजर्व बैंक के अप्रैल-मई में कराए गए सर्वे से पता चला कि साइबर खतरा हाई रिस्क जोन में पहुंच गया है। साथ ही महामारी का असर पूरे बैंकिंग सिस्टम पर तीन से पांच साल तक रहने वाला है।

रिजर्व बैंक की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के सर्वे की मानें तो यह अब तक का सबसे खतरनाक रिस्क जोन है। 18 सिस्टेमिक रिस्क सर्वे में साइबर साजिश पहली बार इतने खतरनाक स्तर पर पहुंची है। आरबीआई ने बैंकिंग कामकाज से जुड़े लोगों और विशेषज्ञों के बीच साइबर खतरा मांपने के पांच पैमाने दिए थे। सर्वे में साइबर खतरा हाई रिस्क जोन में बताया गया। इससे ऊपर सिर्फ वेरी हाई रिस्क जोन ही बचता है। पिछले साल अक्तूबर में कराए गए सर्वे में यह मध्यम स्तर के रिस्क जोन में था।

रिजर्व बैंक शुरू से ही सतर्क

साइबर सुरक्षा को और पुख्ता बनाने के लिए रिजर्व बैंक ने कोरोना संकट की शुरुआत में ही संबंधित विभागों और एजेंसियों को 13 मार्च को अलर्ट जारी कर दिया था। उसके बाद अलग-अलग तरह के हमलों से निपटने से जुड़े प्रभावी कदमों के 10 से ज्यादा अलर्ट और दिशा-निर्देश विभागों को भेजे गए। रिजर्व बैंक ट्विटर के जरिए लोगों को आगाह कर रहा है। लोगों को सलाह दी जा रही है कि मोबाइल या ईमेल के जरिए आने वाले किसी भी अनजान लिंक को क्लिक न किया जाए। ऐसे लिंक का कभी भी कोई जवाब नहीं देना चाहिए, बल्कि संदेह होने पर तुरंत डिलीट करने में ही भलाई है।

आज का भविष्यफल

मेष: मेष राशि के जातकों का रुझान धार्मिक क्रियाकलापों की तरफ रहेगा। कुछ जातक ज्ञान प्राप्त करने के लिए भी प्रयास करेंगे। अपने काम के लिए बहुत मेहनत करेंगे। प्रयासों को जारी रखें मान-सम्मान प्राप्ति का समय है।

वृषभ: वृष राशि के जातक मजाक मस्ती के मूड में रहेंगे। जो भी बोलें सोच-समझकर बोलेंगे तो अच्छा रहेगा क्योंकि आपकी बातें दूसरों को चुभ सकती हैं। कार्यक्षेत्र में मेहनत से लाभ होगा।

मिथुन: मिथुन राशि के जातकों को कामकाज के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। तरह-तरह की मुश्किलें परेशानियां खड़ी कर सकती हैं। लेकिन धन प्राप्ति की अच्छी संभावनाएं बनी हुई हैं।

कर्क: कर्क राशि के जातक आज अपने आपको बेहतर साबित करने के लिए पूरी क्षमता के साथ काम में लगे रहेंगे। आज सारा ध्यान अधिक से अधिक धन कमाकर उसे संचित करने पर रहेगा। निवेश करना लाभदायक रहेगा।

सिंह: सिंह राशि के जातकों को आत्मप्रशंसा तथा अति अभिमान से बचना चाहिए। जितना ज्यादा लोगों को सहयोग करके चलेंगे उतना आपके लिए अच्छा रहेगा। लाभदायक समय है।

कन्या: कन्या राशि के जातक शारीरिक मेहनत के बजाय मानसिक मेहनत पर ज्यादा फोकस करेंगे। आज सारा ध्यान धन कमाने पर रहेगा। काम अटक रहे हैं परंतु परिस्थितियों को समझकर ही आगे कोई निर्णय लें।

तुला: तुला राशि के जातकों के लिए मान-सम्मान प्राप्ति का दिन है। पुराने संपर्क आज कार्यक्षेत्र में सफलता दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन लोगों की सहायता से आपके सभी काम आसानी से पूरे हो जाएंगे।

वृश्चिक: वृश्चिक राशि के जातकों को विपरीत परिस्थितियों का फायदा मिलेगा। अपने कामकाज बुद्धि विवेक के सही प्रयोग से मान-सम्मान प्राप्ति में कामयाब रहेंगे।

धनु: धनु राशि के जातकों के सभी काम पूरे हो जाएंगे। आप जानते हैं कि कुछ भी बुरा होने वाला नहीं है परंतु फिर भी आप डरते रहेंगे। मेहनत के अनुकूल धन की प्राप्ति नहीं होगी।

मकर: मकर राशि के जातक कामकाज को लेकर तनावग्रस्त रहेंगे। कठोर मेहनत के बाद भी समय पर काम पूरा नहीं हो पाने का मलाल रहेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी।

कुंभ: कुंभ राशि के जातकों को आज अहंकार से बचना चाहिए। आपकी बड़ी-बड़ी बातें दूसरों को चोट पहुंचा सकती हैं। सोच-समझकर व्यवहार करें। परिवार के लोगों का सहयोग आपको मिलेगा।

मीन: मीन राशि के जातक कामकाज की अधिकता की वजह से मानसिक व्यग्रता का शिकार होंगे। कामकाज में सफलता के लिए जितना ज्यादा प्रैक्टिकल अप्रोच अपनाएंगे

सू- दोकू क्र.095

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.94का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

शब्द सामर्थ्य -095

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. ह्रदर, डर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

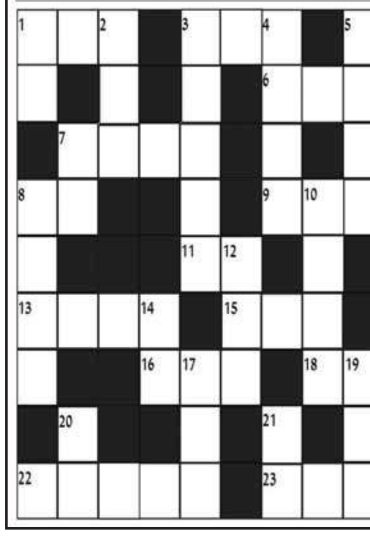

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 94 का हल

चु	स्त		मु		सं	स्था	न	
ग		म	र्दा	न	गी		त	म
ली	प	ना			त	न		
	ना	ना					ज	
मा	ह		रा		सा	ज	न	
न		स	ह	दे	व		म	द
व		म		व	न	ज		ल
ता	क	त	व	र		मी		द
	ल	ल	क		क	र	त	ल

राज्य में संक्रमित 27 हजार के पार, कंटेंनमेंट एरिया 3 हजार तक हुए

24 घंटे में 48 जिलों में 716 नए केस मिले, सीएम की अपील- दो गज की दूरी रखना, हाथ धोते रहना

टोटल लॉकडाउन के बाद भी भोपाल में आज फिर 199 संक्रमित आए, शनिवार को 221 मिले थे

सीएम की जांच की सभी रिपोर्ट सामान्य, उन्होंने ट्वीट कर लिखा- दोस्तों मैं ठीक हूं

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अब पूरी तरह ठीक हैं और उनकी सभी रिपोर्ट सामान्य आई हैं। उन्होंने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। इधर, राजधानी समेत प्रदेश में कोरोना का संक्रमण बड़ता जा रहा रहा है। टोटल लॉकडाउन के बाद भी भोपाल में रविवार को 199 नए मरीज सामने आए। बीते 24 घंटे में प्रदेश के 52 में से 48 जिलों में कोरोना के 716 नए केस मिल चुके हैं। इसके बाद अब राज्य में संक्रमितों का आंकड़ा 27 हजार के पार पहुंच चुका है। भोपाल के 199 को मिलाकर यह संक्रमितों की संख्या 27125 हो गई है। अब कुल कंटेनमेंट एरिया 3 हजार के पास 2980 हो गए हैं, जबकि शनिवार को 622 लोग ठीक होकर घर लौट गए।

मौत का आंकड़ा 800 तक पहुंचा

राज्य में बीते 24 घंटे में 716 नए मामले सामने आए। मौत का आंकड़ा भी 800 तक पहुंच गया है। शनिवार को शुक्रवार के मुकाबले 3 मौतें कम हुई। शासन ने 8 लोगों की कोरोना संक्रमण से मौत की पुष्टि की है। इसके बाद अब तक प्रदेश में 799 लोग जान गंवा चुके हैं। बीते 24 घंटे में 14264 लोगों के सैंपल लिए गए। इनमें से 13548 रिपोर्ट निगेटिव आई, जबकि 165 सैंपल रिजेक्ट हो गए। 716 नए मामले सामने आने के बाद पॉजिटिव ग्रोथ रेट 5त्न रही। अब अब तक राज्य में कुल 6 लाख 84 हजार 419 सैंपल लिए जा चुके हैं।

शिवराज की लोगों से अपील

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना वॉरियर्स के समर्पण और सेवाभाव की आज सराहना करते हुए उन्हें प्रणाम किया। चौहान कोरोना पॉजिटिव आने के बाद शनिवार से चिरायु अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। उन्होंने रविवार को ट्वीट के जरिए कहा- % दोस्तों, मैं ठीक हूं, कोरोना वॉरियर्स का समर्पण अभिनंदनीय है। निस्वार्थ भाव से अपनी जान जोखिम में डालकर कोविड-19 के पीड़ितों की सेवा करने वाले प्रदेश के सभी कोरोना योद्धाओं को मैं प्रणाम करता हूँ। कोविड 19 से डरने की बजाय पूरे आत्मविश्वास के साथ हमें इसका मुकाबला करना चाहिए। दो गज की दूरी रखना, हाथ धोते रहना और मास्क लगाना कोरोना से बचने के लिए सबसे बड़े अस्त्र हैं। मेरी सभी प्रदेशवासियों से अपील है, अपने लिए और अपनों के लिए इन अस्त्रों का उपयोग जरूर करें। यदि आप संक्रमित हो भी गए हों, तो डरने की जरूरत नहीं है, लक्षण दिखें तो इन्हें छुपाएं नहीं, तुरंत बताएं ताकि समय पर इलाज शुरू हो सके। इंदौर जिले में 149 नए मामले सामने आने के बाद यहां एक्टिव (उपचाररत) मरीजों की संख्या 1894 तक जा पहुंची। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) ने बताया कि अब तक 1 लाख 30 हजार 25 लोगों की प्राप्त कोरोना जांच रिपोर्ट में से 6858 संक्रमित पाए गए।

---

6 कंपनियों के 9 ठिकानों पर की गई थी कार्रवाई, 5 आरोपी फरार

निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली एडवाइजरी कंपनियों पर पुलिस का छापा, मालिक-संचालक सहित 8 गिरफ्तार

5 कंपनियों के खिलाफ विजयनगर व लसूड़िया थाने में दर्ज किए गए केस

नव प्रदेश संवाददाता

इंदौर। शेयर बाजार में निवेश कर तगड़े मुनाफे का लालच देकर धोखाधड़ी करने वाली 6 एडवाइजरी कंपनियों के 9 ठिकानों पर पुलिस द्वारा छापामार कार्रवाई को अंजाम दिया गया। कार्रवाई में कंपनियों के मालिक और संचालकों सहित 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, 5 आरोपी फरार हो गए जिनकी तलाश की जा रही है। 5 कंपनियों के खिलाफ विजयनगर और लसूड़िया पुलिस ने केस दर्ज किया है। चिटफंड, मल्टी लेवल मार्केटिंग तथा अनाधिकृत रूप से चलने वाली इंवेस्टमेंट एडवाइजरी कंपनियों के खिलाफ पुलिस द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत शहर में स्थित 6 कंपनियों के 9 ठिकानों पर छापामार कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इन कंपनियों के खिलाफ पुलिस को धोखाधड़ी की 50 से अधिक शिकायतें मिली थी। इन कंपनियों के ठिकानों पर पुलिस की टीम द्वारा शनिवार को दबिश देकर कार्रवाई की गई जो कि रविवार को भी जारी रही। इंदौर पुलिस ने अपील की है कि निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली कंपनियों की शिकायत हेल्पलाइन नंबर 7049124445 पर अथवा स्वयं उपस्थित होकर की जा सकती है। शिकायतकर्ता का नाम गुप्त रखा जाएगा। विजय नगर स्थित केप्स विजन इंवेस्टमेंट एडवायजर के मालिक रवि प्रकाश पिता रजनीकांत मिश्रा निवासी ग्वालियर को गिरफ्तार किया गया। यह कंपनी दो अलग-अलग ठिकानों पर संचालित हो रही थी। इस कंपनी के खिलाफ 12 शिकायतें पुलिस में दर्ज है। निवेश आईकन, विजय नगर के मेट्रो टॉवर स्थित इस कंपनी के संबंध में 17 व्यक्तियों ने निवेश के नाम पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी किए जाने की शिकायत पुलिस से की थी। कार्रवाई के दौरान कंपनी के मालिक आरोपी वीरेन्द्र कुमार पिता कैलाश नारायण गुप्ता, मोहम्मद सलाउददीन आलम (संचालक), प्रिंयक शाह (मैनेजर) समीर पिता प्रदीप श्रीवास (एकाउटेण्ट) के विरूद्ध थाना विजयनगर में केस दर्ज किया गया। आरोपी मोहम्मद सलाउददीन तथा प्रिंयक शाह को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया। साउथ तुकोगंज स्थित ट्रेड हाउस की चौथी मंजिल पर स्थित कैपिटल लाईफ मार्केट रिसर्च पर भी कार्रवाई की गई। यह कंपनी महालक्ष्मी नगर स्थित वीएन टॉवर में संचालित की जा रही थी। लसूड़िया पुलिस द्वारा कंपनी के मालिक राजीव शर्मा, मैनेजर प्रभांशु बड़गईया, बृजेष ओझा को मौके से गिरफ्तार किया गया। विजय नगर के सगुन आर्केड स्थित प्रॉफिट विस्टा फायनेंशियल सर्विस के खिलाफ भी निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने की 4 शिकायतें दर्ज की गई थी। पुलिस द्वारा यहां भी छापा मारा गया था।

इन कंपनियों के खिलाफ हुई कार्रवाई

विजय नगर के अपोलो प्रीमियम टॉवर की दूसरी मंजिल पर स्थित फ्रेंकलिन रिसर्च एंड इंवेस्टेमेंट एडवायजरी के खिलाफ 8 शिकायतें प्राप्त हुई थी। यह कंपनी अवैध तरीके से 2 अलग-अलग मंजिलों पर संचालित हो रही थी। कार्रवाई के दौरान 2 आरोपियों मालिक एवं संचालक तरूण चंदानी और आलोक कुमार के खिलाफ विजयनगर थाने में प्रकरण दर्ज किया गया। विजय नगर के प्रिंसेस बिजनेस पार्क स्थित वेल्थ रिसर्च फायनेंसियल सर्विस पर की गई कार्रवाई में तीन आरोपियों चितरंजन सिंह, मनोज कुमार पिता कालीचरण शर्मा निवास अटेर जिला भिंड और विश्वनाथ के खिलाफ केस दर्ज किया गया। कंपनी के खिलाफ धोखाधड़ी व ठगी की 5 शिकायतें दर्ज है। आरोपी मनोज शर्मा को मौके से गिरफ्तार किया गया है।

शिवराज सिंह चौहान की सभी रिपोर्ट नॉर्मल, बेटे ने अपने और परिवार के स्वास्थ्य के बारे में दी जानकारी

सीएम भोपाल के चिरायु अस्पताल में हैं भर्ती, कहा- अब ठीक हूं

सीएम की पत्नी और दोनों बेटों का भी हुआ कोरोना टेस्ट

बेटे कार्तिकेय ने कहा, हम लोगों की रिपोर्ट आई है निगेटिव

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। एमपी के सीएम शिवराज सिंह चौहान कोरोना संक्रमित हैं। चिरायु अस्पताल में वह एडमिट हैं। अस्पताल में भर्ती होने के बाद कई तरह की जांच की गई थी। अस्पताल की तरफ से जारी हेल्थ बुलेटिन में सीएम शिवराज सिंह चौहान कोविड पॉजिटिव हैं। इसके साथ ही उनकी बाकी रिपोर्ट अभी सामान्य है। सीएम के संक्रमित होने के बाद उनके परिवार के लोगों का भी टेस्ट हुआ था। सीएम के बेटे कार्तिकेय ने इसके बारे में जानकारी दी है। कार्तिकेय सिंह चौहान ने कहा है कि बाबा महाकाल और भगवान वेंकटेश से पिताजी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मेरी, अम्मा और भाई कुणाल की पहली कोरोना टेस्ट निगेटिव आई है। लेकिन सुरक्षा की दृष्टि हमने खुद को 14 दिनों के लिए होम क्वारंटीन किया है। जो कोई भी साथी हमारे संपर्क में आए हैं, अपना टेस्ट जरूर करवा लें।

स्वस्थ हूं

वहीं, सीएम शिवराज सिंह चौहान ने भी अपने स्वास्थ को लेकर अपडेट किया है। सीएम ने कहा है कि दोस्तों मैं ठीक हूं, कोरोना वॉरियर्स का समर्पण और अभिनंदनीय है। निस्स्वार्थ भाव से अपनी जान जोखिम में डाल कर कोविड पीड़ितों की सेवा करने वाले प्रदेश के सभी कोरोना योद्धाओं को मैं प्रणाम करता हूं। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कोविड-19 से डरने की बजाए पूरे आत्मविश्वास के साथ हमें इसका मुकाबला करना चाहिए।

डरने की जरूरत नहीं

सीएम ने कहा कि दो गज की दूरी रखना है, हाथ धोते रहना और मास्क लगाना कोरोना से बचने के लिए सबसे बड़े अस्त्र हैं। मेरी सभी प्रदेशवासियों से अपील है कि अपने लिए और अपनों के लिए इन अस्त्रों का उपयोग जरूर करें। यदि आप संक्रमित हो भी गए हों, तो डरने की जरूरत नहीं है, लक्षण दिखें तो इन्हें छुपाएं नहीं, तुरंत बताएं ताकि समय पर इलाज शुरू हो सके। समय पर इलाज

सांसद साध्वी प्रज्ञा ने कहा- कोरोना को खत्म करने के लिए दिन में पांच बार करें हनुमान चालीसा का पाठ

साध्वी ने कहा- 5 अगस्त को अनुष्ठान का रामलला की आरती के साथ घरों में दीप जलाकर समापन करें।

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। कोरोना वायरस दुनिया में बेकाबू होता जा रहा है। देश और प्रदेश में भी कोरोना संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। मेडिकल सांइस कोरोना वायरस की वैक्सीन बनाने में जुटा हुई है। वहीं, दूसरी तरफ मध्यप्रदेश के भोपाल से सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने अजीबो-गरीब बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दिन में पांच बार हनुमान चालीसा पढ़ने से कोरोना वायरस खत्म हो जाएगा। साध्वी प्रज्ञा ने लोगों से हनुमान चालीसा का पाठ करने की अपील करते हुए कहा- आइए हम सब मिलकर कोरोना वायरस महामारी को समाप्त करने के लिए लोगों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना के लिए एक आध्यात्मिक प्रयास करें। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा- आइए हम सब मिलकर कोरोना महामारी को समाप्त करने के लिए लोगों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना के लिए एक आध्यात्मिक प्रयास करें। 25 जुलाई से 5 अगस्त तक प्रतिदिन शाम 7ः00 बजे अपने घरों में हनुमान चालीसा का 5 बार पाठ करें। 5 अगस्त को अनुष्ठान का रामलला की आरती के साथ घरों में दीप जलाकर समापन करें।

5 अगस्त को अयोध्या में मंदिर निर्माण का शिलान्यास

बता दें कि 5 अगस्त को अयोध्या में मंदिर का शिलान्यास होना। पीएम मोदी अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का शिलान्यास करेंगे।

एमपी में केस बढ़े

मध्यप्रदेश में कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ते जा रहे हैं। मध्यप्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान भी कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। सीएम के कोरोना पॉजिटिव होने के बाद प्रदेश सरकार के सभी मंत्री क्वारंटाइन हो गए हैं। वहीं, मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, मुरैना, जबलपुर और उज्जैन में संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। एमपी में संक्रमितों का आंकड़ा 26926 हो गया है। वहीं कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या 799 हो गई है। मध्यप्रदेश में एक्टिव केस 7639 हैं।

विनियोग अध्यादेश राम भरोसे सरकार की पुष्टि है , वित्तीय हालत पर श्वेत पत्र जारी करे सरकार : तरुण भनोत

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पारित विनियोग अध्यादेश के माध्यम से जो बजट लाया गया है उसमें विगत वर्ष की तुलना लगभग 28000 करोड़ की अनुमानित कमी की गई है। जिससे पता लगता है कि सरकार ने लेखानुदान के समय जो 40 परसेंट की वृद्धि दर बताई थी वह आंकड़ों की हेरा फेरी थी। प्रदेश के पूर्व वित्त मंत्री तरुण भनोत ने आश्चर्य व्यक्त किया है कि एफआरबीएम की ऋण लेने की सीमा बढ़ जाने के बावजूद भी बजट घट गया है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र जो इस समय सामुदायिक चिंता का विषय है ,में बजट की कमी दर्शाती है कि सरकार हताश है और आगे का रास्ता उसे सूझ नहीं रहा है। भनोत ने कहा कि जीएसटी रिजीम में केंद्र सरकार ने वादा किया था कि 14 प्रतिशत से कम वृद्धि होने पर वह राज्यों के घाटे की पूर्ति करेंगी किंतु यह वादा पिछले साल भी नहीं निभाया गया और मध्य प्रदेश के लगभग 14000 करोड़ रूपया शेष रह गए थे। मध्य प्रदेश सरकार को और अन्य सरकारों को भी यह मांग करनी चाहिए कि पेट्रोल और डीजल पर बढ़ाई गई आशातीत कीमतों से केंद्र सरकार को जो भारी मुनाफा हुआ है कम से कम उसका 20त्न राज्यों को दिया जाए ताकि राज्य इस संकट काल में अपनी व्यवस्था को टिकाऊ बना सकें । तरुण भनोत ने सरकार को आगाह किया है कि लगभग 17 लाख प्रवासी मजदूर प्रदेश में आए हैं उनकी बेरोजगारी मुंह बाए खड़ी है। सरकार की योजनाओं से उन्हें जीरा बराबर भी रोजगार नहीं मिला है शहरी मजदूर भी बेकाम हो रहा है कुशल मजदूरों को भी रोजगार उपलब्ध नहीं है। मजबूरी में इन मजदूरों का फिरसे पलायन शुरू न हो जाए इसके लिए सरकार को बताना चाहिए कि बजट में उन्होंने क्या प्रावधान किये हैं। मध्यम वर्ग और सेवा क्षेत्र प्रदेश की जीडीपी में 40त्नसे अधिक योगदान करता रहा है किंतु केंद्र और राज्य के बजट में उसकी पूरी तरह अनदेखी की गई है,क्या उसे राज्य की ग्रोथ स्टोरी में हिस्सेदार नहीं बनाना चाहिये?लेकिन विधायक तोड़ सरकार के पास मध्यम वर्ग के लिये कोई सोच ही नहीं है। भनोत ने सरकार से वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करने का मांग की है । उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शी बने और सदन से तथा प्रदेश की जनता से संपूर्ण बजट साझा करे। वर्तमान विनियोग अध्यादेश केवल एक बात की पुष्टि करता है कि मध्य प्रदेश में रामभरोसे सरकार जारी है।

चार-पांच दिन पहले एडीजे और उनके दोनों बेटों को फूड पॉइजनिंग की शिकायत हुई थी, तीनों ने घर पर ही भोजन किया था

बैतूल के अपर जिला न्यायाधीश महेंद्र कुमार त्रिपाठी और उनके बेटे की फूड पॉइजनिंग से मौत

खाना पत्नी ने बनाया था, लेकिन उन्होंने नहीं खाया था, दोनों बेटों और पति ने खाया, तो तबीयत बिगड़ गई थी

नव प्रदेश संवाददाता

बैतूल । अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) महेंद्र कुमार त्रिपाठी और उनके बड़े बेटे की फूड पॉइजनिंग से नागपुर में मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम के बाद शवों को उनके गृह जिला कटनी ले जाया जाएगा। एडिशनल एसपी श्रद्धा जोशी ने बताया कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा कि किस प्रकार का फूड पॉइजनिंग हुई थी। फिलहाल, बैतूल में एडीजे के आवास को सील कर दिया गया है।

बताया जा रहा है कि चार-पांच दिन पहले एडीजे और उनके दोनों बेटों को फूड पॉइजनिंग की शिकायत हुई थी। तीनों ने घर पर ही भोजन किया था। तबीयत बिगड़ने पर पहले उन्होंने घर पर ही उपचार किया। छोटे बेटे की तबीयत तो ठीक हो गई। एडीजे और उनके बड़े बेटे अभियान राज त्रिपाठी की हालत बिगड़ती चली गई। इसके बाद दोनों को शनिवार को ही नागपुर के एलेक्सिस अस्पताल ले जाया जा रहा था।

रास्ते में बड़े बेटे की मौत हो गई। देर रात अस्पताल में एडीजे की भी मौत हो गई।

पहले पाढ़र में भर्ती कराया, हालत बिगड़ी तो नागपुर रैफर

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोशी के मुताबिक, फूड पॉइजनिंग के बाद एडीजे और उनके बेटे को 23 जुलाई को पाढ़र अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां हालत बिगड़ने पर नागपुर रैफर किया था। एएसपी के मुताबिक, परिवार ने 20 जुलाई की रात में जो भोजन किया था, उसके बाद हालत बिगड़ी।

चपातियां खाने से फूड पॉइजनिंग का संदेह

पुलिस को संदेह है कि मजिस्ट्रेट परिवार ने जो चपातियां खाई थीं, उससे फूड पॉइजनिंग हुई। जबकि पत्नी ने चपाती नहीं खाई थी। उन्होंने चावल खाया था। जिसके कारण वे पॉइजनिंग का शिकार नहीं हुई। पुलिस मामले में घर में रखे आटे की सैंपलिंग करेगी। बिसरा भी जांच के लिए भेजा जाएगा। इधर, पाढ़र हॉस्पिटल प्रबंधन ने भी बताया कि जब पिता-पुत्र को अस्पताल लाया गया था, तब हालत गंभीर थी। बैतूल में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेंद्र कुमार त्रिपाठी एवं उनके बेटे मोनू का नागपुर के एलेक्सिस अस्पताल में निधन हो गया। शनिवार शाम को ही पाडर अस्पताल से उन्हें नागपुर शिफ्ट किया गया था, अस्पताल पहुंचते ही बेटे की मौत हो गई, देर रात न्यायाधीश भी काल के मुंह में समा गए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लाट नंबर-3, नेशनल प्रेस एरिया, लिंक रोड नं-3 ,पत्रकार कॉलोनी के पास से मुद्रित कर, ई-2/237 अरेरा कालोनी भोपाल से प्रकाशित, प्रबंध संपादक डॉ. शिशिर उपाध्याय,
फोन नं : 0755-2465533, मो. 9039005699 (न्याय क्षेत्र भोपाल), MPHIN/2017/72749 email:navpradeshbhopal@gmail.com